www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 194 || लखनऊ
गुरूवार
15 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:05
सूर्यास्तः 05:37
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 22°00



पेज 07

विशेष समाचार | छात्रः सपनों की उड़ान से ... >>पेज 04 | आजम खान पर एक और ... >>पेज 06 | अनीत पड्डा ने अहान पांडे के साथ ...

3 पेंशन योजनाओं से इंदिरा गांधी नाम हटा ■ दिव्यांगों को अब जन्म से पेंशन

रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन के बोनस की सौगात

मंजूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिवाली से पहले रेलवे के करीब 11.40 लाख कर्मचारियों को 78 दिन का बोनस देने की मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, इस पर करीब 2,009 करोड़ खर्च होंगे।

बुधवार को कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया। इसके अलावा, सरकार ने तीन पेंशन योजनाओं से इंदिरा गांधी का नाम हटाकर उनमें प्रधानमंत्री शब्द जोड़ने का फैसला किया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

रेल कर्मचारियों को दिवाली गिफ्ट



एलआईसी की 34% हिस्सेदारी रहेगी बरकरार

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि IDBI बैंक के इस पुनर्गठन के तहत भारत सरकार और LIC मिलकर बैंक में 34 फीसदी की हिस्सेदारी बनाए रखेंगे. हिस्सेदारी अपने पास बनाए रखने से भविष्य में सरकार और LIC दोनों के होल्डिंग्स का मूल्य काफी बढ़ने की उम्मीद है. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (MSMEs), छोटे कारखानों, नए उद्यमियों, सर्विस सेक्टर में कदम रखने वाले लोगों और अपने व्यवसाय का विस्तार करने वाले कारोबारियों के लिए तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे.



केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान बताया कि सरकार ने वित्त सेक्टर, खासकर आईडीबीआई बैंक से जुड़ा एक बड़ा फैसला लिया है, जो छोटे-बड़े उद्योगों (एमएसएमई) और नए व्यवसायों को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाता है.

रेलवे कर्मचारियों को ₹17,951 तक बोनस

रेलवे कर्मचारियों को मिलने वाले प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस (PLB) की गणना के लिए अधिकतम मासिक वेतन सीमा 7,000 तय की गई है। इस आधार पर 78 दिन के बोनस की अधिकतम रकम 17,951 बनती है।

● बोनस का कैलकुलेशन:

7,000 × 12 × 78 ÷ 365 = 17,951

यह अधिकतम गणना की रकम है। कर्मचारियों को मिलने वाला वास्तविक बोनस उनकी पात्रता और लागू नियमों के आधार पर अलग हो सकता है। रेलवे के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में 1,670 मिलियन टन माल की ढुलाई की गई, जो उस साल का रिकॉर्ड था। इस दौरान रेलवे से करीब 7.41 अरब यात्रियों ने सफर किया। रेल मंत्री ने कहा कि बोनस का मकसद कर्मचारियों को उनकी मेहनत के लिए प्रोत्साहित करना और रेलवे के कामकाज को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करना है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, 'सरकार ने आज तीन बेहद महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं. इनमें से पहला फैसला रेलवे के लगभग 11.40 लाख कर्मचारियों को 78 दिन का बोनस देने का है.



सामाजिक सहायता कार्यक्रम पर ₹53,428 करोड़ खर्च होंगे

राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (NSAP) को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने की मंजूरी दी गई है। इस दौरान योजना पर 53,428 करोड़ खर्च होंगे। इससे देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के करीब 3.20 करोड़ लाभार्थियों को मदद मिलेगी। इसके तहत बुजुर्गों और विधवाओं को पेंशन, दिव्यांगों को आर्थिक सहायता और परिवार के मुख्य कमाने वाले सदस्य की मौत होने पर पात्र परिवार को मदद दी जाती है। NSAP की शुरुआत 15 अगस्त 1995 को गरीब और जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता देने के लिए हुई थी।

दिव्यांगता की पात्रता सीमा 80% से घटाकर 40%

नई व्यवस्था में पेंशन के लिए बेंचमार्क दिव्यांगता की सीमा 80% से घटाकर 40% कर दी गई है। इससे पात्रता की शर्तें पूरी करने वाले अधिक दिव्यांग लोग योजना के दायरे में आ सकेंगे।

● पेंशन की दरें इस तरह होंगी:

0 से 79 साल की उम्रः 375 प्रति माह।

80 साल या उससे अधिक उम्रः 625 प्रति माह।

नए नियमों के तहत पात्रता, लाभार्थियों की संख्या और पेंशन की रकम से जुड़ी जानकारी सरकार दिशानिर्देश जारी होने के तीन महीने के भीतर लागू करेगी। 2016 के अनुसार किया गया है। इस कानून के तहत 40% या उससे ज्यादा दिव्यांगता वाले व्यक्ति को बेंचमार्क दिव्यांगता की श्रेणी में रखा जाता है। दिव्यांगों को मिलने वाली सहायता राशि समान श्रेणी की दूसरी योजनाओं के मुकाबले कम से कम 25% ज्यादा रखने का प्रावधान भी है।

दिल्ली के रेस्टोरेंट में आग, खिड़की से कूदकर जान बचाई

नई दिल्ली। दिल्ली के मौजपुर इलाके में मंगलवार रात करीब 10:34 बजे उधम रेस्टोरेंट के किचन में आग लग गई। आग लगते ही कुछ लोग जान बचाने के लिए पहली मंजिल की खिड़की से कूदने लगे। घटना के वीडियो के सामने आए हैं।

इनमें लोग अपने बच्चों को भी पहली मंजिल से नीचे फेंकते दिखाई दे रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक, हादसे में कोई घायल नहीं हुआ। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची।

हालांकि, रेस्टोरेंट के कर्मचारियों ने पहले ही आग बुझा दी थी।

आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है। लोग जान बचाने के लिए पहली मंजिल की खिड़की से कूदने लगे।

साहिल और मुस्कान को फांसी की सजा

मेरठ कोर्ट में बोली- मेरी बच्चियों का ध्यान रखना

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में प्रेमी के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या करने वाली मुस्कान को फांसी की सजा सुनाई गई। उसके प्रेमी साहिल को भी कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई। सजा सुनाते हुए जज ने कहा- अधर्म के काम पर सजा देना धर्म होता है। मुस्कान-साहिल आप दोनों ने ही सौरभ की नृशंस हत्या की है। इसलिए माफी स्वीकार नहीं होगी। सजा सुनाने से पहले जेल में बंद मुस्कान और साहिल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जोड़ा गया। मुस्कान रस्तोगी और साहिल फूट-फूटकर रोने लगे। जज ने मुस्कान से पूछा- तुम अपने पति सौरभ राजपूत की हत्या में दोषी हो, क्या सजा चाहती हो? उसने जवाब दिया- मेरी बच्चियों का ख्याल रखा जाए। फिर वह खामोश हो गई। इसके बाद साहिल से यही सवाल पूछा गया, तो वह चुप रहा। सजा के ऐलान के बाद सौरभ की मां रो पड़ीं। कहा- शांति से न्याय मिल गया।



>> (शेष पेज 06 पर)

अखिलेश ने मुसलमान भाई को टिकट नहीं दिया : योगी

चचाजान और धन्नासेठ को राज्यसभा भेजा, यही सपा का असली पीडीए

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। योगी ने राज्यसभा चुनाव के टिकट बंटवारे को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव से सवाल किए। उन्होंने कहा- एक टिकट अपने चाचा जान रामगोपाल यादव को दिया और दूसरा मुंबई के धन्नासेठ को बेच दिया। सपा प्रमुख एक टिकट काशी के ही किसी यादव को दे देते। गाजीपुर, बलिया से किसी को बना देते। दूसरी सीट पर किसी दलित को भेज देते, नहीं बनाया। अपने खानदानी वोटर मुसलमानों को ही बना देते। वो भी तो नहीं बनाया। मैं समाजवादियों से पूछना चाहता हूं, ये जो PDA-PDA चिल्लाते हैं, राज्यसभा के टिकट में वो PDA कहां चला गया?



सीएम ने कहा- हो गया ना 'परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी' और 'पराया धन अपना', दोनों साबित हो गए। यही सपा की सच्चाई है। यूपी में भर्तियों में पारदर्शिता है, निष्पक्षता है। क्या यही ईमानदारी, ऐसी ही निष्पक्षता सपा की सरकार में था। एक आयोग का अध्यक्ष अनिल यादव को बना दिया था, जो उसके योग्य ही नहीं था।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

सुप्रीम कोर्ट की ईसीआई को फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कर्नाटक की श्रींगेरी विधानसभा सीट पर 2023 में हुई वोटों की गिनती की वीडियो रिकॉर्डिंग नहीं मिलने पर चुनाव आयोग को फटकार लगाई। जस्टिस संजय कुमार और संजीव सचदेवा की बेंच ने ECI से कहा, चुनाव आयोग यह कैसे कह सकता है कि उसका रिकॉर्ड खो गया?

कांग्रेस सांसद को जेएनयू यौन उत्पीड़न मामले में पुलिस नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने JNU यौन उत्पीड़न मामले में कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजाम को नोटिस जारी किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, उन्हें पूछताछ के लिए गुरुवार को बुलाया गया है। वसंत कुंज नॉर्थ थाने की पुलिस ने अंगोमचा के आवास के बाहर नोटिस भी चस्पा किया है। JNU में 11 छात्राओं ने अकोइजाम पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। वहीं JNU प्रशासन ने आरोपों के बाद अकोइजाम को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त किया है।

पावर बैंक मिलने पर इंडिगो फ्लाइट पार्किंग बे लौटी

हैदराबाद। हैदराबाद एयरपोर्ट पर इंडिगो की उड़ान टेकऑफ से पहले पार्किंग बे लौट आई। यह उड़ान हैदराबाद से श्रीनगर जा रही थी। घटना मंगलवार की है। PTI ने सूत्रों के मुताबिक बताया कि पैसेंजर का पावर बैंक चेक-इन बैगेज में रखे होने की जानकारी मिलने के बाद विमान को वापस लाया गया। यह घटना RGI एयरपोर्ट पर हुई।

यूपी चुनाव से पहले सपा के 3 बागी विधायक बीजेपी में शामिल

अमेठी के राकेश प्रताप सिंह और अयोध्या अभय सिंह ने ली सदस्यता

तमसा संकेत, एजेंसी

अमेठी। समाजवादी पार्टी के तीन बागी विधायक राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह और विनोद चतुर्वेदी बुधवार को भाजपा में शामिल हो गए। अमेठी में आयोजित सदस्यता ग्रहण समारोह में तीनों ने भाजपा के टोल फ्री नंबर डायल कर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ली।

इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी की मौजूदगी में तीनों विधायकों को पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया। राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा- तुम चाहे जितने भी दलों को इकट्ठा कर अपने राजकुमार को शहंशाह बनाने की कोशिश कर लो, लेकिन उत्तर प्रदेश का सच यह है कि कांग्रेस



लगातार 9 विधानसभा चुनाव हारती आ रही है। अमेठी इस बात की साक्षी है कि कांग्रेस का वह परिवार अपने दम पर इस क्षेत्र में चुनाव नहीं लड़ सकता तो अपने दम पर राष्ट्र का नेतृत्व कैसे कर सकता है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा- सपा के मुखिया को सत्ता के लिए इतना नहीं गिरना चाहिए।

अखिलेश यादव ने पहले अपने पिता और चाचा का अपमान किया। अब उत्तर प्रदेश का अपमान कर रहे। वह कह रहे कि दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान यूपी के युवकों ने मारा पीटा।

दीपके बोले- जेल में डाल दो, परवाह नहीं, सौरव-आशुतोष 5 दिन के लिए तिहाड़ भेजे गए

कॉकरोच पार्टी 16 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन करेगी

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने 16 अक्टूबर को प्रदर्शन का ऐलान किया। दीपके ने बुधवार को वीडियो मैसेज जारी कर कहा कि, सभी लोग 16 अक्टूबर को शाम 5 बजे तिरंगा लेकर कनॉट प्लेस पहुंचे। ये लोग मुझे भी जेल में डाल सकते हैं लेकिन मुझे परवाह नहीं। दीपके बुधवार दोपहर दिल्ली पहुंचे थे। एयरपोर्ट से बाहर निकलते समय भीड़ उन पर चिल्लाने लगी। एक पैसेंजर ने कहा- क्यों देश को खराब कर रहा भाई। इस पर दीपके ने बस थम्स अप का इशारा किया और चुपचाप चले गए। उधर सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका और सौरव दास को दिल्ली की स्पेशल कोर्ट ने 5 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया है। इन्हें मंगलवार सुबह जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया था। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके- अगर सरकार देश में इमरजेंसी लगाना चाहती है तो खुलकर आधिकारिक तौर पर लगाए। यह अघोषित इमरजेंसी क्यों? कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे- गृह मंत्री द्वारा SIR में बाहर 13.3 करोड़ भारतीयों को घुसपैठिया घोषित करना भारतीयता का अपमान है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद, जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थल से हटाकर...पहले वोट चोरी फिर विरोध करने के अधिकार की चोरी भाजपाई तानाशाही का प्रमाण है।

>> (शेष पेज 06 पर)

राहुल गांधी- जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध में तिरंगा लहराना जुर्म नहीं है। इसके लिए युवाओं को जेल भेजना कायरता है। स्टूडेंट्स, युवा, पत्रकार, इंडिया ब्लॉक। अलग-अलग बैनर, एक मकसद। सभी विरोध एक हैं। जंतर-मंतर भारत के लोगों का है। हम इसे वापस लेंगे।

11 अक्टूबरः 50-50 हजार के मुचलके पर छूटे सौरव-आशुतोष



CJP ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर और SIR के विरोध में 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन बुलाया था। पुलिस ने CJP फाउंडर अभिजीत दीपके, प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका को दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट से ही हिरासत में लिया था। तीनों को 11 अक्टूबर को दिल्ली कैंट की विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया था। इसके बाद उन्हें 50-50 हजार रुपए के जमानती मुचलके पर रिहा कर दिया गया। रिहाई की शर्त के मुताबिक, तीनों को एक साल तक शांति बनाए रखनी थी, ऐसा कोई काम नहीं करना था, जिससे शांति भंग हो। इसके लिए बॉन्ड साइन करने की बात सामने आई थी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस : छात्रा बोली- प्राइवेट पार्ट पर मारा, युवक ने कहा- गुंडों के कहने पर हिरासत में लिया

राहुल यूथ प्रोटेस्टर्स को साथ लाए, पुलिस पर आरोप लगाए

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। SIR के खिलाफ दिल्ली में प्रदर्शन करने वाले छात्रों ने बुधवार को राहुल गांधी से मुलाकात की। राहुल ने सभी के साथ मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें छात्रों ने दिल्ली पुलिस पर मारपीट और हिरासत में ज्यादती करने के आरोप लगाए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में NSUI के छात्र, कार्यकर्ताओं और कंटेंट क्रिएटर्स ने अपने साथ घटनाएं बताईं। एक छात्रा ने प्राइवेट पार्ट पर लात मारने का आरोप लगाया,



जबकि दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्रा अदिरा ने दावा किया कि पुलिस की पिटाई से उसके एक कान से सुनने की क्षमता चली गई। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने आरोप लगाया कि पुलिस RSS और भाजपा से जुड़े लोगों के कहने पर प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले रही थी। राहुल गांधी ने छात्रों से घटनाओं के वीडियो और दूसरे सबूत सुरक्षित रखने को कहा। उन्होंने कहा कि इन सबूतों के आधार पर पुलिसकर्मियों से लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त तक, जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी। कांग्रेस समेत विपक्ष एक अक्टूबर से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। अब तक 5 प्रदर्शन किए जा चुके हैं।

राहुल गांधी ने कहा- देखिए ये हिंदुस्तान है, इसकी कोई जात नहीं



राहुल ने कहा कि जब सब खत्म होगा तो इन सबूतों के आधार पर सबको सजा मिलेगी। चाहे पुलिस वाले हों या ज्ञानेश कुमार हों। ये देश की आवाज हैं। इस आवाज को दबाने की कोशिश हो रही है। राहुल गांधी ने कहा, 'केरल की अदिरा की एक कान से सुनने की क्षमता चली गई है।

प्रदर्शनकारी ऋतु बराला ने कहा- नाखूनों से मेरा चेहरा खरोंच दिया



NSUI से जुड़ी ऋतु बराला ने कहा, 'कल NSUI के सभी कार्यकर्ता शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान हमें तीन बसों में हिरासत में लिया गया। हर बस में हमारे करीब 30-40 साथी थे।

राहुल गांधी ने कहा, 'ये हिंदुस्तान है, अमित शाह जी यहां कोई हिंदू-मुस्लिम नहीं है, इनकी कोई जात नहीं है। आप इस आवाज के सामने खड़े नहीं हो सकते। स्टूडेंट्स से कहना चाहता हूं। आप वीडियो बनाकर रखिए। उन सबूतों को हम रखेंगे।'

तमिलनाडु सरकार लोगों को दुश्मन समझ रही: मद्रास हाईकोर्ट

पुलिस से पूछा- आरएसएस मार्च को जम्मू-कश्मीर में भी परमिशन

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने बुधवार को तमिलनाडु पुलिस से RSS के रूट मार्च को अनुमति नहीं देने पर सवाल किया। कोर्ट ने पूछा कि जम्मू-कश्मीर में RSS मार्च कर सकता है, तो तमिलनाडु पुलिस हर साल अनुमति क्यों रोकती है? जस्टिस वी लक्ष्मीनारायण ने कहा कि सरकार नागरिकों को दुश्मन समझ रही है और विरोध प्रदर्शनों के लिए परमिशन देने से इनकार कर रही है। चाहे कोई भी सरकार आए, RSS को उसके मार्च के लिए अनुमति नहीं दी जाती है। आपका डर क्या है? क्या आप डर रहे हैं? यह टिप्पणी RSS सदस्य वीजी जगदीशन की याचिका पर सुनवाई के दौरान हुई। उन्होंने 18 अक्टूबर, 25 अक्टूबर, 1 नवंबर या दूसरी किसी तारीख को मार्च की अनुमति मांगी है। जस्टिस ने कहा कि RSS का स्थापना दिवस दशहरा के दिन है। वे उस दिन रूट मार्च निकालना चाहते हैं। इसमें क्या गलत है? संघ अपना स्थापना दिवस हर साल दशहरा के दिन मनाता है। सरकार की ओर से पेश एडवोकेट जनरल विजय नारायण ने कहा कि मार्च की अनुमति देने के लिए भारी पुलिस बल तैनात करना होगा।



>> (शेष पेज 06 पर)

बोले- वोट चोरी बड़ा मुद्दा, बूथों पर सतर्क रहें सपा कार्यकर्ता भाजपा सरकार में महंगाई

फर्जी वोट को ताकत समझती है भाजपा 2027 में हराना लक्ष्य : अखिलेश

संबोधन

- एसआईआर के बाद भी फर्जी वोट होने का आरोप
- पीडीए का वोट काटने की साजिश का आरोप



भाजपा सरकार ने प्रदेश को हर क्षेत्र में नुकसान पहुंचाया है। शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था ध्वस्त है, स्वास्थ्य सेवाएं खराब हैं और कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार और लूट हो रही है तथा गरीबों और असहायों की जमीनों पर कब्जे किए जा रहे हैं।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर फर्जी वोट बनवाने और विपक्षी समर्थकों के वोट कटवाने की साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा फर्जी वोट को अपनी ताकत समझती है। वोट चोरी बड़ा मुद्दा है और समाजवादी पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं को बूथों पर सतर्क रहना होगा। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में सरकार बनाना पार्टी का लक्ष्य है। यह चुनाव जीवन-मरण का चुनाव है और इसमें भाजपा की पराजय तय है। बुधवार को लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा के कुशासन से त्रस्त है। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर हैं। सपा अध्यक्ष ने मतदाता सूची में गड़बड़ी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद भी मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर फर्जी वोट मौजूद हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के दौरान भाजपा ने समाजवादी पार्टी समर्थकों के वोट कटवाने की साजिश की। उनके मुताबिक, सपा कार्यकर्ताओं ने सुल्तानपुर के नंदलाल निषाद और लखनऊ के सरोजनी नगर क्षेत्र के दशरथ के नाम से वोट कटवाने के लिए भाजपा द्वारा भरवाए गए कथित फर्जी फार्म-7 पकड़े थे। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों के वोट काटने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि पीडीए भाजपा की चालबाजी समझ चुका है और विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा को उसकी कथित लूट और बेईमानी का जवाब देगी। उन्होंने भाजपा पर कानून और संविधान का पालन नहीं करने, सत्ता का दुरुपयोग करने तथा बुलडोजर के जरिए गरीबों को डराने का आरोप भी लगाया।



कार्यकर्ताओं से अनुशासन बनाए रखने की अपील

अखिलेश यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अनुशासन में रहने और ऐसा कोई व्यवहार नहीं करने की अपील की, जिससे किसी को शिकायत का मौका मिले। उन्होंने कहा कि जनता को समाजवादी पार्टी से उम्मीदें हैं। प्रदेश के हित में सपा की सरकार बनना जरूरी है। चुनाव में अब समय कम बचा है, इसलिए सभी कार्यकर्ता तैयारियों में जुट जाएं। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों को सत्ता का संरक्षण मिल रहा है और पुलिस भी उनका साथ दे रही है।

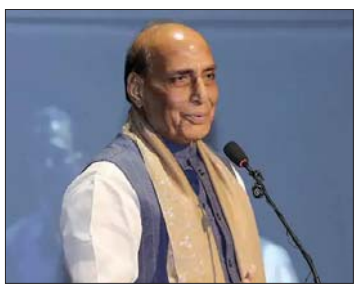
राजनाथ सिंह 15 अक्टूबर से तीन दिन लखनऊ में रहेंगे

फैजुल्लागंज में बांटेंगे राहत सामग्री, जानकीपुरम दुर्गा पूजा में होंगे शामिल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । केंद्रीय रक्षामंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह 15 अक्टूबर से तीन दिन के लखनऊ दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह फैजुल्लागंज में बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री बांटेंगे। इसके अलावा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे और अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे। भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने उनके दौरे की जानकारी दी।

निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक, राजनाथ सिंह 15 अक्टूबर को नई दिल्ली से रवाना होकर दोपहर 3:35 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से वह सड़क मार्ग से फैजुल्लागंज जाएंगे। शाम 4 बजे आईआईएम रोड स्थित अल्लूनगर डिगुरिया चौक पर बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री बांटेंगे। इसके बाद वह शहर के अलग-अलग इलाकों में लोगों से मुलाकात करेंगे और अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे।



रक्षामंत्री 16 अक्टूबर को कालिदास मार्ग स्थित अपने आवास पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वह शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में शोक संतप्त परिवारों के घर पहुंचकर दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि देंगे और परिजनों से मुलाकात करेंगे।

शाम 6 बजे राजनाथ सिंह जानकीपुरम के सेक्टर-ई स्थित राम-राम बैंक चौराहे पर आयोजित दुर्गा पूजा कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के बाद वह कालिदास मार्ग स्थित अपने आवास लौटेंगे और रात्रि विश्राम करेंगे।

तीन दिवसीय दौरे के अंतिम दिन 17 अक्टूबर को रक्षामंत्री अपने आवास पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद सुबह 11:30 बजे लखनऊ एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे। यहां से वह आगे की यात्रा के लिए प्रस्थान करेंगे।

फास्ट न्यूज

बाराबंकी में खो-खो प्रतियोगिता

बाराबंकी । बाराबंकी के पुलिस लाइन मैदान में बुधवार को राज्यस्तरीय खो-खो चयन प्रतियोगिता हुई। इसमें कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की छात्राओं ने हिस्सा लिया। अंडर-14 में मुरादाबाद मंडल विजेता बना, जबकि अंडर-17 और अंडर-19 दोनों वर्गों में लखनऊ मंडल ने खिताब जीते। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

बकाया भुगतान के लिए पानी की टंकी पर चढ़ा ठेकेदार

बाराबंकी । बाराबंकी में बुधवार दोपहर करीब 2 बजे बकाया भुगतान की मांग को लेकर एक ठेकेदार पानी की टंकी पर चढ़ गया। ठेकेदार कमलेश शर्मा ने शक्ति इंफ्रा प्रेजेंट्स प्राइवेट लिमिटेड पर भुगतान नहीं करने का आरोप लगाते हुए वीडियो बनाया।

उन्होंने चेतावनी दी कि पैसा नहीं मिला तो वह टंकी से कूदकर जान दे देंगे। सूचना पर असंद्रा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति संभालने में जुट गई। मामला बनीकोडर ब्लॉक स्थित घटमापुर गांव का है।

मेहनत से बनाया घर, भाभी ने किया कब्जा

बाराबंकी । बाराबंकी के मकनपुर गांव में 60 वर्षीय सियाराम ने आरोप लगाया है कि उनकी बड़ी भाभी ने उनके मकान पर कब्जा कर लिया है। यह घर उन्होंने अपनी मेहनत से बनाया था और उनके पास मकान के सभी कागजात व खतौनी हैं। इस विवाद को सुलझाने के लिए सियाराम ने कई अधिकारियों से गुहार लगाई है। उन्होंने स्थानीय पुलिस चौकी से लेकर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक शिकायतें दी हैं, पर अब तक कोई राहत नहीं मिली है।

चार साल से कायम है आस्था की अनूठी परंपरा

किसान सत्येंद्र कुमार की पहल बन रही गांव की पहचान

तमसा संकेत, संवाददाता



सूरतगंज (बाराबंकी)। मन में सच्ची श्रद्धा हो और कुछ कर गुजरने का जज्बा, तो संसाधनों की कमी भी रास्ता नहीं रोक सकती। इसी सोच को साकार कर रहा है बाराबंकी जिले के सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र का हरसौली गांव, जहां पिछले चार वर्षों से एक किसान जो साथ में पेंटर का भी काम करता है जो अपने हाथों से मां दुर्गा की प्रतिमा बनाकर पंडाल में विराजमान करते हैं। इसके बाद गांव के लोग एकजुट होकर मां भगवती की पूजा-अर्चना करते हैं और जागरण के माध्यम से माता रानी का गुणगान करते हैं। ग्रामीणों की यह पहल आस्था, आत्मनिर्भरता और आपसी सहयोग की अनूठी मिसाल पेश कर रही है। हरसौली गांव निवासी किसान सत्येंद्र कुमार के मन में मां दुर्गा के प्रति गहरी आस्था है। नवरात्र के दौरान जब वह आसपास के गांवों में मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित होते और श्रद्धालुओं को भक्ति भाव से पूजा-अर्चना करते देखते थे, तो उनके मन में भी अपने गांव में मां भगवती का दरबार सजाने की इच्छा जाग उठती थी। लेकिन प्रतिमा खरीदने के लिए पर्याप्त धन की व्यवस्था करना आसान नहीं था। ऐसे में उन्होंने अपनी इच्छा को अधूरा छोड़ने के बजाय एक अलग रास्ता चुना। सत्येंद्र कुमार ने मन ही मन सोचा कि जब मां के प्रति श्रद्धा है, तो आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण पूजा क्यों रोकी जाए? क्यों न अपने हाथों से ही मां दुर्गा की प्रतिमा तैयार की जाए और उसी प्रतिमा को पंडाल में स्थापित कर विधि-विधान से आराधना की जाए।

मंदिर प्रशासन बोला- ऐसा कुछ भी नहीं, बंदरों की उछल-कूद से कलश टूटा

काशी विश्वनाथ से सोना गायब होने की पीएमओ में शिकायत

तमसा संकेत, एजेंसी



वाराणसी । काशी विश्वनाथ मंदिर के स्वर्ण शिखर से सोना गायब होने का मामला सामने आया है। वकील नित्यानंद राय ने इसकी शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) में की है। मंदिर कार्यपालक समिति के अध्यक्ष और वाराणसी कमिश्नर एस. राजलिंगम ने आरोप को गलत बताया। उन्होंने कहा कि एक छोटा स्वर्ण कलश बंदरों की उछल-कूद के दौरान गिर गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देश पर मंदिर प्रशासन भी मामले की आंतरिक जांच कर रहा है। स्वर्ण शिखर की मजबूती का आकलन और मरम्मत के लिए IIT मद्रास से संपर्क किया गया है। इसकी रिपोर्ट और आकलन के बाद कलश को दोबारा स्थापित कराया जाएगा।

मंदिर प्रशासन ने रिपोर्ट में बताया- उत्तरी द्वार के ऊपर लगा एक स्वर्ण कलश हाल के दिनों में बंदरों की उछल-कूद के दौरान गिर गया था। उसे भंडारगृह में सुरक्षित रखा गया है। तकनीकी परीक्षण के बिना कलश को दोबारा स्थापित करना उचित नहीं होगा।

इसी वजह से IIT मद्रास से संपर्क किया गया। संस्थान की टीम स्वर्ण शिखर का प्राथमिक सर्वे कर चुकी है और उसने पूरे शिखर की मरम्मत कराने की संस्तुति दी है। मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने कहा- मंदिर के स्वर्ण शिखर से सोना गायब होने की जानकारी गलत है।

2 जगहों से गायब हुआ स्वर्ण कलश

तेलियाबाग के रहने वाले वकील नित्यानंद राय ने 29 सितंबर को मंडलायुक्त के साथ प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री कार्यालय को शिकायत भेजी थी। उन्होंने मंदिर के उत्तरी द्वार के ऊपर दो स्थानों से स्वर्ण कलश गायब होने का दावा किया है।

नित्यानंद राय के मुताबिक, सोना गायब होने के मामले में मंदिर प्रशासन से जानकारी मांगी थी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने मंदिर की वेबसाइट पर भी स्वर्ण शिखर से सोना हटाए जाने से संबंधित जानकारी उपलब्ध न होने की बात कही।



यह तस्वीर रिपोर्ट में लगाई गई है।

वकील बोले- मंदिर के सोने-चांदी की जानकारी सार्वजनिक हो

नित्यानंद राय ने शिकायत में मंदिर में पहले हुई सोने-चांदी की चोरी की घटनाओं का जिक्र किया है। उन्होंने जांच कराने के साथ मंदिर परिसर में सोने-चांदी के इस्तेमाल का विस्तृत विवरण सार्वजनिक करने की मांग की है। शिकायतकर्ता ने इसके लिए श्वेतपत्र जारी करने और उसकी जानकारी मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराने की बात कही है। उनका कहना है कि इससे स्वर्ण शिखर की स्थिति और धातुओं की सुरक्षा को लेकर स्पष्टता आएगी।

बंगाल के 54 कारीगरों ने 3 महीने में बनाया, 18 फीट ऊंची मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित

राम-मंदिर थीम पर सजा 110 फीट ऊंचा पंडाल

तमसा संकेत, एजेंसी





जानकीपुरम के सेक्टर-ई स्थित दुर्गा पार्क में शहर का सबसे बड़ा पंडाल तैयार किया गया है।

लखनऊ । लखनऊ में दुर्गा पूजा की तैयारियां पूरी हो गई हैं। शहर में कई जगह भव्य पंडाल सजाए गए हैं। जानकीपुरम के सेक्टर-ई स्थित दुर्गा पार्क में शहर का सबसे बड़ा पंडाल तैयार किया गया है। यह पंडाल 110 फीट ऊंचा, 110 फीट गहरा और 110 फीट चौड़ा है। इसमें 18 फीट ऊंची इको-फ्रेंडली मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई है।

आयोजकों के मुताबिक, पंडाल के निर्माण के लिए 17 जुलाई को भूमि पूजन किया गया था। इसके बाद से लगातार काम चल रहा था। पंडाल को तैयार करने के लिए पश्चिम बंगाल से खास कारीगर बुलाए गए। 54 कारीगरों ने दिन-रात मेहनत करके इसे तैयार किया। इसे बनाने में करीब 3 महीने लगे। करीब 2 लाख वर्ग फीट में फैले दुर्गा पार्क में बने इस पंडाल को राम मंदिर की थीम पर तैयार किया गया है। अनिल दुबे ने बताया कि 14 अक्टूबर को शाम 6:30 बजे उत्सव की शुरुआत होगी। इसका समापन 25 अक्टूबर को होगा। करीब 12 दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में 14 अक्टूबर को मां लक्ष्मी का पूजन किया जाएगा। पंडाल को खास तरीके से डिजाइन किया जा रहा है। मां दुर्गा की प्रतिमा के विसर्जन के बाद पीछे रखी मां लक्ष्मी की प्रतिमा सामने आएगी। इसके बाद मां लक्ष्मी का पूजन शुरू होगा। उत्सव की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं।

'32 सालों से हो रहा है आयोजन'

उत्सव पूजा समिति के संयोजक सौरभ बंधु उपाध्याय ने बताया कि 1995 से इसकी शुरुआत की थी। यह 32 वां आयोजन है। पहले पंडाल इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे के पास सजता था, लेकिन अब इसे जानकीपुरम शिफ्ट किया गया है। यहां सिर्फ पूजा ही नहीं, बल्कि किड्स जोन, फूड स्टॉल और झूले भी होंगे, ताकि यह महोत्सव हर उम्र के लिए खास बने। उत्सव में आने वाले सभी लोगों की आस्था का विशेष ध्यान रखा जाता है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से जगह जगह सीसीटीवी कैमरे लगेंगे।

पंडाल में 18 फीट ऊंची इको-फ्रेंडली मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसे बंगाल के कारीगरों ने तैयार किया है। पंडाल बनाने में 20 हजार बांस का इस्तेमाल हुआ है। इनकी लंबाई 5 से 24 फीट तक है। इसके अलावा 7 हजार मीटर कपड़ा, 13 छोटा हाथी थर्माकोल और 300 लीटर पेंट का इस्तेमाल किया गया है।

वेतन की असमानता पर भड़के बॉन्डेड डॉक्टर

प्रदर्शन : समान डिग्री और समान वेतन की मांग





तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में वेतन में असमानता के विरोध में बुधवार को बॉन्डेड डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया। गांधी प्रतिमा के बाहर सड़क पर बैठकर डॉक्टरों ने समान वेतन और लंबे समय से लंबित एरियर के भुगतान की मांग उठाई। पुलिस ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया।

प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों ने सवाल उठाया कि जब उनकी डिग्री और सेवाएं समान हैं, तो वेतन में अंतर क्यों किया जा रहा है? उन्होंने सभी पात्र डॉक्टरों के लिए समान वेतन व्यवस्था लागू करने और बकाया एरियर का भुगतान करने की मांग की। डॉक्टरों का कहना है कि वे ग्रामीण क्षेत्रों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) में सेवाएं दे रहे हैं। इसके बावजूद उनके वेतन में अंतर किया जा रहा है।

घटना : घर से पान खाने की बात कहकर निकला, 25 किलोमीटर दूर मिला शव

प्रॉपर्टी डीलर की हत्या, बोरे में भरकर फेंका

तमसा संकेत, संवाददाता





परिजनों ने दोपहर में चौकी में लापता की सूचना दी

देर रात जब वापस नहीं लौटे तो परिवार ने खोजबीन शुरू की। इसके बाद मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे पुलिस इंदिरानगर चौकी पहुंचकर जानकारी दी। सूचना पर पुलिस ने फोटो सर्कुलेट की तो बीकेटी में अज्ञात शव मिलने की सूचना मिली। इसके बाद परिवार को बुलाकर मोर्चरी में शिनाख्त कराई गई। पुलिस के मुताबिक खुर्रमनगर में एक दुकान में पान खाया। इसके बाद एक परिचित सब्जी वाले ने 200 रुपए मांगे। इस पर अरविंद एक डील करने की बात कहकर चला गया।

बाइक नहीं मिली, शव के पास ईंट और बोरे

अरविंद घर से अपनी बाइक से निकला था। खुर्रमनगर से पान खाकर बाइक से ही आगे बढ़ा। घटनास्थल तक अपनी बाइक से पहुंचा या कोई ले गया। इसकी जानकारी पुलिस कर रही है। शव के पास ईंट मिली थी लेकिन प्रॉपर्टी डीलर की बाइक नहीं मिली।

बख्शी का तालाब । लखनऊ के बीकेटी थानाक्षेत्र में एक प्रॉपर्टी डीलर की हत्या कर दी गई। उसका शव गांव के कच्चे रास्ते पर बोरे में भरा मिला। पैर का हिस्सा एक बोरे में और सिर दूसरे बोरे से ढका गया था। युवक का सिर कूंचा हुआ था। सिर, गर्दन, पेट और हथेली में जख्म थे और पूरा शरीर खून से लथपथ था। यह शव 24 घंटे अज्ञात में रहा।

मंगलवार देर शाम मृतक की पहचान परिजनों ने मोर्चरी पहुंचकर की। मोहम्मदपुर रसूलपुर निवासी अरविंद रावत (39) प्रॉपर्टी का काम करते थे। पिता बाराती लाल का देहांत हो चुका है। वह मां चंपा, पत्नी अंजू देवी और बच्चे अनुष्का, निखिल और अखिल के साथ रहते थे। सोमवार को शाम 6 बजे अरविंद घर से पान खाने की बात कहकर निकले थे। जहां शव मिला, वह जगह घर से 25 किमी दूर है। फिर शव सोमवार रात करीब 11:30 बजे बख्शी का तालाब इलाके में अचरामऊ से मलाक जाने वाले कच्चे रास्ते पर मिला। पुलिस ने शव अज्ञात में पोस्टमॉर्टम हाउस भेज दिया। प्रॉपर्टी डीलर की पत्नी मंजू देवी ने पुलिस को शिकायत देकर 4 लोगों पर हत्या का शक जताया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर विंदेश मौर्य, शारिक खान, अमन और अजीज के खिलाफ FIR दर्ज कर ली।

पुलिस पूछताछ में अरविंद के साले संदीप ने बताया कि प्रॉपर्टी को लेकर कई लोगों से विवाद चल रहा था। हालांकि किससे मिलने गए थे इसकी जानकारी नहीं दे सके हैं। पुलिस अब सीडीआर की मदद से अंतिम बार किससे बात की। इसकी जानकारी कर रही है।

वाराणसी में एसआईआर के खिलाफ साझा संस्कृति मंच का प्रदर्शन

कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन, डीएम के जरिए राष्ट्रपति को भेजा मांग पत्र

तमसा संकेत, एजेंसी

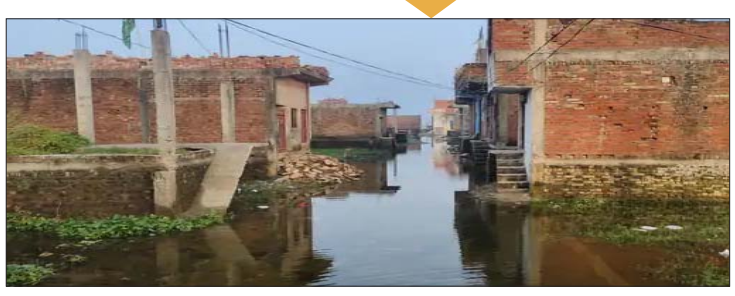


वाराणसी । देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी रखने और नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए वाराणसी में एक बड़ा कदम उठाया गया है। साझा संस्कृति मंच ने भारतीय निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) और सूची से पात्र नागरिकों के नाम काटे जाने को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

मंच की ओर से देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम एक पांच सूत्री मांग-पत्र डीएम कार्यालय पर सौंपा गया। इसके पहले साझा संस्कृति मंच के सदस्यों ने जिला मुख्यालय पर जमकर प्रदर्शन और नारेबाजी किया। साझा संस्कृति मंच की पदाधिकारी जागृति राही ने कहा - किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता सूची में नाम दर्ज होना प्रत्येक नागरिक का सबसे बुनियादी अधिकार है। इसी अधिकार के माध्यम से जनता सरकार चुनने की प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करती है। लेकिन, हाल ही में अपनाई गई विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया के दौरान जिस तरह से बड़े पैमाने पर लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उसने प्रशासनिक निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस दौरान मौजूद धनंजय ने जोर देकर कहा है कि यदि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से हटाया जाता है, तो उसे इसकी पूर्व सूचना देना और अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर देना प्राकृतिक न्याय और लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनिवार्य शर्त है। बिना किसी ठोस आधार और सूचना के नाम काटना पूरी प्रक्रिया को संदिग्ध बनाता है।

निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता और निष्पक्षता को बहाल करने के लिए वर्तमान मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग की गई है, ताकि आयोग की जवाबदेही नए सिरे से तय हो सके। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की मौजूदा प्रक्रिया को तुरंत रद्द किया जाए।





24 घंटे में 4 सेंटीमीटर की हुई गिरावट, चेतावनी बिंदु से 70 सेमी नीचे आया

उन्नाव में गंगा का जलस्तर 111.30 मीटर पर पहुंचा

राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। गंगा नदी के जलस्तर में लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई है। बुधवार सुबह केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार, गंगा का जलस्तर घटकर 111.30 मीटर पर पहुंच गया। पिछले 24 घंटे में जलस्तर में चार सेंटीमीटर की कमी आई है। करीब तीन महीने बाद गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु से नीचे पहुंचने पर शुक्लागंज और आसपास के तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों ने राहत की सांस ली है।



फिलहाल गंगा के जलस्तर में लगातार दूसरे दिन आई गिरावट से तटीय इलाकों के लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। इसके बावजूद निचली बस्तियों, गांवों और संपर्क मार्गों पर जलभराव की स्थिति पर नजर रखना जरूरी है।

खतरे का निशान पार करने से कई मोहल्लों में घुसा था पानी

गंगा का जलस्तर बढ़कर खतरे के निशान 113 मीटर को पार कर गया था। इसके चलते शुक्लागंज के कई मोहल्लों में बाढ़ का पानी घरों तक पहुंच गया था।

गोताखोर, कर्बला, हुसैन नगर, तेजीपुरवा, सैय्यद कंपाउंड, रविदास नगर, मालवीय नगर, श्रीनगर और इंद्रानगर समेत कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई थी। सड़कों और रास्तों पर पानी भरने से लोगों का आवागमन प्रभावित हुआ था।

कई जगहों पर लोगों को रोजमर्रा के कामों के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

गगनीखेड़ा और फत्तेखेड़ा समेत कई गांवों में भी पड़ा असर

गंगा में पानी बढ़ने का असर शहरी इलाकों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने को मिला था। गगनीखेड़ा और फत्तेखेड़ा समेत कई गांवों में बाढ़ का पानी पहुंचने से ग्रामीणों की परेशानियां बढ़ गई थीं। संपर्क मार्गों पर पानी भरने के कारण लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई थी। ग्रामीणों को आवागमन के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। अब जलस्तर में गिरावट से ग्रामीण इलाकों में भी राहत की उम्मीद बढ़ी है। हालांकि, गांवों को जोड़ने वाले रास्तों से पानी निकलने और आवागमन सुचारु होने के बाद ही स्थिति पूरी तरह सामान्य हो सकेगी।

उन्नाव में डिवाइडर से टकराकर पलटा रिक्शा, चालक की मौत

जाहिदापुर के पास देर रात हुआ हादसा, शव की हुई पहचान

मृतक के शव की पहचान करने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजन।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के औरास थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात सड़क हादसे में रिक्शा चालक की मौत हो गई। जाहिदापुर के पास हाईवे पर रिक्शा डिवाइडर से टकराकर पलट गया। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी जान नहीं बच सकी। बुधवार दोपहर करीब तीन बजे पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने मृतक की पहचान की। मृतक की पहचान शैलेश सिंह (38) पुत्र स्वर्गीय अशेष बख्श सिंह निवासी मतलबपुर, पोस्ट मुंडा, थाना फतेहपुर चौरासी, उन्नाव के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, शैलेश रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। मंगलवार देर रात वह औरास क्षेत्र के जाहिदापुर के पास हाईवे से गुजर रहे थे। इसी दौरान उनका रिक्शा डिवाइडर से टकरा गया और अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। शैलेश परिवार के मुख्य कमाने वाले सदस्य थे। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। शैलेश अपने पीछे दो बेटों को छोड़ गए हैं। उनकी असमय मौत से परिवार के सामने बच्चों के पालन-पोषण और भविष्य की चिंता खड़ी हो गई है। पुलिस हादसे से संबंधित आवश्यक कार्रवाई कर रही है। दुर्घटना के कारणों के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।





फास्ट न्यूज

जहरीले कीड़े के काटने से बच्ची की मौत

उन्नाव। उन्नाव के माखी थाना क्षेत्र के भागूखेड़ा गांव में मंगलवार रात घर में सो रही तीन साल की बच्ची की जहरीले कीड़े के काटने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। मासूम की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बुधवार दोपहर करीब तीन बजे पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने घटना की जानकारी दी। भागूखेड़ा गांव निवासी राम कुमार मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

खाद के लिए घंटों इंतजार करते रहे किसान

उन्नाव। उन्नाव जिले में खाद की किल्लत के बीच बुधवार को शेखपुर नहर के समीप स्थित सहकारी समिति में डीएपी और यूरिया खाद नहीं मिलने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह से ही किसान खाद लेने के लिए लाइन में लगे रहे, लेकिन खाद नहीं मिलने से उन्हें निराश होना पड़ा। इसकी जानकारी मिलने पर सदर विधायक पंकज गुप्ता दोपहर करीब 12 बजे सहकारी समिति पहुंचे। उन्होंने मौके पर पहुंचकर किसानों से बातचीत की और खाद वितरण की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही किसानों की समस्या के जल्द समाधान के लिए आवश्यक पहल की।

हरदोई की किशोरी से राजस्थान में बंधक बनाकर रेप

हरदोई। हरदोई की 17 वर्षीय दलित किशोरी ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर राजस्थान में बंधक बनाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि किसी तरह आरोपी के चंगुल से निकलकर वह घर पहुंची। इसके बाद उसने मंगलवार शाम करीब चार बजे थाने में शिकायती पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

बाराबंकी में डीएम के निर्देश पर कलेक्ट्रेट रोड की मरम्मत

गड्ढों से परेशान राहगीरों को मिलेगी राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक कार्यालय जाने वाली कलेक्ट्रेट रोड की लंबे समय से खराब हालत को लेकर आखिरकार मरम्मत का काम शुरू हो गया है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे होने से राहगीरों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। सड़क की खराब स्थिति के कारण हादसों का खतरा भी बना हुआ था।पीडब्ल्यूडी कार्यालय के सामने सड़क की हालत खराबकलेक्ट्रेट रोड पर प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) कार्यालय के सामने सड़क की स्थिति ज्यादा खराब थी। यहां बने गड्ढों के कारण वाहन चालकों को संभलकर निकलना पड़ता था। इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में लोग गुजरते हैं। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक कार्यालय जाने वाले लोगों को भी इसी रास्ते से आवागमन करना पड़ता है। इसके बावजूद लंबे समय तक सड़क की मरम्मत नहीं होने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही थी।डीएम ने जताई नाराजगी, नगर पालिका को दिए निर्देशसड़क की बदहाल स्थिति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और नगर पालिका परिषद को तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए। डीएम के निर्देश के



बाद नगर पालिका प्रशासन हरकत में आया और कलेक्ट्रेट रोड पर मरम्मत का काम शुरू करा दिया गया।मरम्मत शुरू होने से राहगीरों को राहत की उम्मीदसड़क की मरम्मत शुरू होने के बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। लोगों का कहना है कि गड्ढों के कारण आवागमन में परेशानी के साथ दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। अब मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा मिलने की उम्मीद है।

महिलाओं को साड़ी, पुरुषों को कंबल और सभी को फल बांटे

डीएम-एसपी ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गों संग बिताया समय

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मिशन शक्ति अभियान के छठे चरण के तहत बुधवार दोपहर को डीएम घनश्याम मीना और एसपी जय प्रकाश सिंह ने सफीपुर तहसील के तकिया निहोगी स्थित वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के साथ समय बिताया। अधिकारियों ने वृद्धाश्रम में रहने वाली महिलाओं और पुरुषों को फल, साड़ी और कंबल वितरित कर आगामी त्योहारों की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान अधिकारियों ने बुजुर्गों की समस्याएं जानीं और उनकी बेहतर देखभाल के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश



दिए। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धाश्रम में आयोजित कार्यक्रम में डीएम और एसपी ने महिला बुजुर्गों को फलों की टोकरी के साथ साड़ी तथा पुरुष बुजुर्गों को फलों की टोकरी के साथ कंबल भेंट किए। उपहार पाकर बुजुर्गों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने बुजुर्गों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना और उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का भरोसा दिलाया।



अन्य बीमारियों की जांच कराई

उन्होंने सभी बुजुर्गों के सुखमय जीवन की कामना करते हुए आगामी पर्वों की शुभकामनाएं दीं। डीएम ने उपजिलाधिकारी सफीपुर को निर्देश दिया कि वृद्धाश्रम में मेडिकल कैंप आयोजित कर सभी बुजुर्गों के ब्लड प्रेशर, शुगर और अन्य बीमारियों की जांच कराई जाए। साथ ही डॉक्टरों को प्रत्येक सप्ताह वृद्धाश्रम का भ्रमण कर बीमार बुजुर्गों का उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की देखभाल में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जल्द ही दोबारा वृद्धाश्रम आकर बुजुर्गों और वहां के परिवार के साथ बैठकर भोजन करने की इच्छा भी जताई। उन्होंने दीपावली के अवसर पर परिवार के साथ वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के साथ भोजन करने की इच्छा व्यक्त की।

छात्र और छात्राओं को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया

ब्लैक फिल्म लगे वाहनों और ई-रिक्शा के काटे चालान

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस ने महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और यातायात नियमों पर जागरूकता अभियान चलाया। बेनहर इंटरनेशनल कॉलेज में छात्र-छात्राओं के लिए साइबर सुरक्षा कार्यशाला हुई। एसपी उत्तरी आयुष श्रीवास्तव ने साइबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी और सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को ओटीपी, बैंकिंग विवरण अनजान व्यक्ति से साझा न करने की सलाह दी। महिला सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की जानकारी भी दी गई। 1090, 112, 181, 1098, 1930, 1076 जैसे हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। गांधी नगर तिराहे पर एसएसपी जय प्रकाश सिंह के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी यातायात प्रदीप कुमार मौर्य ने वाहन चेकिंग





अभियान चलाया। ब्लैक फिल्म लगे वाहनों, ई-रिक्शा और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों की जांच कर डीएल का सत्यापन किया गया। पुलिस ने वाहन चालकों को नियमों का पालन करने की हिदायत दी।

इस्तीफा दें, एसपी सिंह का दावा- भाजपा के 80 विधायक सपा के संपर्क में

मुख्य चुनाव आयुक्त सिर्फ भाजपा की सुनते हैं : एसपी सिंह पटेल

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में बुधवार दोपहर करीब 1 बजे प्रतापगढ़ से सपा सांसद एसपी सिंह पटेल ने भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के करीब 80 विधायक समाजवादी पार्टी के संपर्क में हैं। सांसद के मुताबिक, इन विधायकों को 2027 के विधानसभा चुनाव में टिकट कटने का डर है और वे सपा से टिकट पाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भी भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाते हुए उनसे इस्तीफे की मांग की। रेलवेगंज स्थित एक होटल में स्नातक एमएलसी प्रत्याशी कांति सिंह और शिक्षक एमएलसी



प्रत्याशी सुशील कुमार के समर्थन में आयोजित बैठक के दौरान प्रेसवार्ता हुई। इसमें सांसद ने चुनाव आयोग की कार्यशैली और एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार शिकायतों पर ध्यान नहीं देते और केवल भाजपा की सुनते हैं। सांसद ने कहा कि उनसे मौखिक या लिखित शिकायत करने से भी कोई फर्क नहीं पड़ता। इसी आधार पर उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त से पद छोड़ने की मांग की।

इस मौके पर पूर्व सांसद उषा वर्मा, पूर्व एमएलसी डॉ. राजपाल कश्यप, पूर्व विधायक आसिफ खान बब्बू, राजेश्वरी देवी, अनिल वर्मा, निवर्तमान जिलाध्यक्ष शराफत अली, पूर्व जिलाध्यक्ष पदमराज सिंह पम्मू, अजय पाल, अखिलेश पाठक और अमित वाजपेयी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।



सीजेपी कार्यकर्ताओं की रिहाई की मांग

सांसद ने युवाओं का मुद्दा उठाते हुए एक जज के बयान के बाद गठित 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के कार्यकर्ताओं को तत्काल रिहा करने की मांग की। कांग्रेस के साथ गठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास वर्तमान में दो विधायक हैं। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव में उसे इसी संख्या के आधार पर अपनी हिस्सेदारी का दावा पेश करना चाहिए। सांसद एसपी सिंह पटेल ने कहा कि भाजपा के भीतर असंतोष है और करीब 80 विधायकों को आगामी विधानसभा चुनाव में टिकट कटने की आशंका है। उनके अनुसार, इसी वजह से ये विधायक सपा के संपर्क में हैं और पार्टी से टिकट मांगने की तैयारी कर रहे हैं।

घटना : दो मासूम बच्चियों समेत देवर-भाभी अस्पताल में भर्ती, चालक फरार, नंबर प्लेट मिली

कार की टक्कर से बाइक सवार 4 घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

बिलग्राम, हरदोई। बिलग्राम थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह गंगा एक्सप्रेसवे के अंडरपास के नीचे कार की टक्कर से बाइक सवार चार लोग घायल हो गए। घायलों में एक देवर-भाभी और एक व चार साल की दो मासूम बच्चियां शामिल हैं। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बिलग्राम में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह पुसेड़ा गांव के पास गंगा एक्सप्रेसवे के अंडरपास के नीचे बाइक और कार की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार चारों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। इसी बीच कार चालक घटनास्थल से फरार हो गया। घटना के बाद चारों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलग्राम पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया। हादसे में दो छोटी बच्चियों के घायल होने से परिवार के लोग परेशान रहे। फिलहाल चारों घायलों का उपचार चल रहा है।











निजी काम से माधौगंज जा रहा था परिवार

सांडी थाना क्षेत्र के घटकना गांव निवासी अवनी कांत बाइक से अपने परिवार के सदस्यों के साथ माधौगंज थाना क्षेत्र में निजी काम से जा रहे थे। बुधवार सुबह जब वे बिलग्राम थाना क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेसवे के अंडरपास के नीचे पुसेड़ा गांव के पास पहुंचे, तभी एक कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में अवनी कांत, 25 वर्षीय ललिता पत्नी अवनीश और दो मासूम बच्चियां इनाया (एक वर्ष) व परी (चार वर्ष) घायल हो गईं।

नंबर प्लेट के आधार पर जांच में जुटी पुलिस

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस दुर्घटना के कारणों और फरार कार चालक के संबंध में जानकारी जुटा रही है। घटनास्थल पर गिरी नंबर प्लेट के आधार पर कार और उसके चालक का पता लगाने में मदद मिल सकती है।

अचानक हुई टक्कर से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे के बाद कार चालक घायलों की मदद करने के बजाय मौके से भाग निकला। दुर्घटना के दौरान कार की नंबर प्लेट घटनास्थल पर गिर गई। घायल अवनी कांत ने कार की नंबर प्लेट यूपी 27 एसी 1771 को उठा लिया। इससे फरार कार चालक की पहचान करने में पुलिस को मदद मिलने की उम्मीद है।

बकाया भुगतान के लिए पानी की टंकी पर चढ़ा ठेकेदार

बाराबंकी में 78 लाख रुपए नहीं मिलने का दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

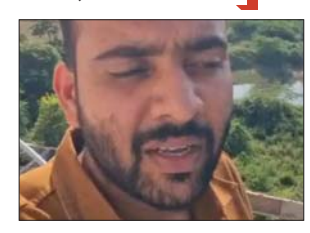
बाराबंकी। बाराबंकी में बुधवार दोपहर करीब 2 बजे बकाया भुगतान की मांग को लेकर एक ठेकेदार पानी की टंकी पर चढ़ गया। ठेकेदार कमलेश शर्मा ने शक्ति इंफ्रा प्रेजेंट्स प्राइवेट लिमिटेड पर भुगतान नहीं करने का आरोप लगाते हुए वीडियो बनाया। उन्होंने चेतावनी दी कि पैसा नहीं मिला तो वह टंकी से कूदकर जान दे देंगे। सूचना पर असंद्रा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति संभालने में जुट गई। मामला बनीकोडर ब्लॉक स्थित घटमापुर गांव का है। कमलेश शर्मा के मुताबिक, उनकी कंपनी ने छह पानी की टंकियों का निर्माण किया था।



ठेकेदार कमलेश शर्मा ने शक्ति इंफ्रा प्रेजेंट्स प्राइवेट लिमिटेड पर भुगतान नहीं करने का आरोप लगाया।

भुगतान नहीं होने से नाराज ठेकेदार कमलेश शर्मा पानी टंकी पर चढ़ा।

उनका दावा है कि करीब 78 लाख रुपए का भुगतान बकाया है। उन्होंने बताया कि वह पिछले



डेढ़ साल से भुगतान के लिए कंपनी के चक्कर लगा रहे हैं। कंपनी के मैनेजर प्रिंस ने बताया कि ठेकेदार का करीब 30 लाख रुपए का भुगतान बाकी है। उनके अनुसार, टंकी के निर्माण में कुछ खामियां थीं, जिन्हें ठीक करने के लिए कहा गया था। कमियां दूर नहीं किए जाने के कारण भुगतान में देरी हो रही है। मामले में ठेकेदार और कंपनी की ओर से बकाया राशि को लेकर अलग-अलग दावे किए गए हैं।

सम्पादकीय

विपक्ष का विचित्र खैया



राहुल गांधी ने विपक्षी नेताओं संग मार्च निकालकर सुप्रीम कोर्ट में जो याचिका दायर की थी, उस पर सुनवाई इसलिए नहीं हो सकी, क्योंकि उसमें अनेक कमियां मिलीं। इनके दूर होने के बाद उनकी याचिका पर तो सुनवाई होगी ही, इसी के साथ मतदाता सूचियों को शुद्ध करने की प्रक्रिया यानी एसआईआर पर दायर अन्य याचिकाओं पर भी। यह भी तय है कि राहुल गांधी ने अपनी याचिका में जिन बिंदुओं का उल्लेख किया है, उन पर भी सुप्रीम कोर्ट विचार करेगा। इसके बाद राहुल और उनके साथियों को सुनवाई की प्रतीक्षा करनी चाहिए, लेकिन वे धरना-प्रदर्शन के साथ शक्ति प्रदर्शन भी कर रहे हैं। वे इसे जारी रखने की भी बात कर रहे हैं। आखिर ऐसे में राहुल गांधी के यह कहने का क्या मतलब कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है, क्योंकि वे तो उसके फैसले की प्रतीक्षा करने को तैयार ही नहीं। क्या वे यह चाहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट उनके हिसाब से निर्णय दे या फिर उनकी दिलचस्पी उन बिंदुओं पर उसकी राय जानने की है ही नहीं, जो उन्होंने अपनी याचिका में उठाए हैं? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि वे अंतिम लक्ष्य पाने तक चैन से न बैठने की बात कर रहे हैं और यह संकेत देने में संकोच भी नहीं कर रहे हैं कि उनका अंतिम लक्ष्य मुख्य चुनाव आयुक्त समेत मोदी सरकार को हटाना है। क्या वे यह काम सड़कों पर उतरकर और यह झूठ फैलाकर करना चाहते हैं कि लोकतंत्र खत्म हो गया है? लोकतंत्र में तो सत्ता परिवर्तन चुनाव के जरिये होता है। क्या राहुल गांधी अन्य कोई तरीका आजमाना चाह रहे हैं?

राहुल गांधी एसआईआर को वोट चोरी का नाम देकर न केवल जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, बल्कि उसके विरोध में लोकतांत्रिक तौर-तरीकों से इतर रास्ता भी अपना रहे हैं। इसके लिए वे एसआईआर की कमियों, जटिलताओं और उसके चलते लोगों को हो रही परेशानी को अपनी ढाल बना रहे हैं। अब जब वे झूठ को घी बनाकर उसे आग में डालने का काम कर रहे हैं, तब फिर चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाए। इसके लिए एसआईआर प्रक्रिया तब तक जारी रहनी चाहिए, जब तक चुनाव नहीं आ जाते। उसकी ओर से लोगों को अपना सही विवरण और दस्तावेज देने के लिए जो पत्र जारी होते हैं, उन्हें नोटिस का नाम देने से कुछ ऐसा संदेश निकलता है कि उनका नाम वोटर लिस्ट से कटने जा रहा है। संदेश तो यह जाना चाहिए कि एसआईआर के जरिये उन्हें उनका नाम वोटर लिस्ट में दर्ज कराने की सुविधा दी जा रही है। चुनाव आयोग को जितना ध्यान अपात्र लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करने पर देना चाहिए, उतना ही पात्र लोगों को मतदाता बनाने का। इससे ही लोगों का भरोसा बढ़ेगा और वे विपक्ष के बहकावे में आने से बचेंगे।

छात्रः सपनों की उड़ान से सृजन की पहचान तक





> 66
> छात्र आंदोलनों का इतिहास बताता है कि युवाओं की आवाज ने अनेक बार सामाजिक परिवर्तन, लोकतांत्रिक अधिकारों और जनहित के प्रश्नों को नई धार दी है।

किसी राष्ट्र का भविष्य उसकी संसदों में पारित कानूनों से कम और उसके शिक्षण संस्थानों में गढ़े जा रहे विद्यार्थियों के चरित्र से अधिक निर्धारित होता है। छात्र केवल किसी देश की युवा आबादी नहीं, बल्कि उसकी संभावनाओं, विचारों, मूल्यों और विकास की जीवंत पूंजी होते हैं। उनकी आंखों में पलते सपने राष्ट्र की तकदीर लिखते हैं और उनके हाथों में संवरता भविष्य सभ्यता की दिशा तय करता है। किंतु जब यही हाथ सृजन के औजारों के बजाय विध्वंस के हथियार उठाने लगें, जब ज्ञान की जिज्ञासा हिंसा की उत्तेजना में बदलने लगे और जब शिक्षा के मंदिरों में अनुशासन की जगह अराजकता पनपने लगे, तब यह केवल छात्र जीवन का संकट नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की चेतना के लिए खतरे की घंटी है। विश्व छात्र दिवस इसी संदर्भ में आत्ममंथन का अवसर है। प्रतिवर्ष 15 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व छात्र दिवस भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और 'मिसाइल मैन' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती को समर्पित है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिवस को आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किए जाने का दावा नहीं करना चाहिए, फिर भी भारत में यह दिन व्यापक रूप से कलाम के विद्यार्थी-केंद्रित विचारों, शिक्षा के प्रति समर्पण और युवाओं के स्वप्नशील व्यक्तित्व के सम्मान के रूप में मनाया जाता है। डॉ. कलाम के लिए विद्यार्थी केवल परीक्षाओं में अंक प्राप्त करने वाले छात्र नहीं थे, बल्कि वे ऐसे स्वप्नदृष्टा थे, जिनके भीतर देश की तस्वीर बदलने की क्षमता थी। वे बच्चों के बीच जाते, उनसे संवाद करते, उनके प्रश्नों को प्रोत्साहित करते और उन्हें बड़े सपने देखने की प्रेरणा देते थे। उनका विश्वास था कि सपने वे नहीं होते जो नींद में आते हैं, बल्कि वे होते हैं जो व्यक्ति को सोने नहीं देते। उनका जीवन इस बात का प्रमाण था कि साधारण परिस्थितियों में जन्मा व्यक्ति भी असाधारण संकल्प, ज्ञान और परिश्रम से इतिहास रच सकता है। डॉ. कलाम का मिशन केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं था। उनका व्यापक स्वप्न भारत को विकसित, आत्मनिर्भर, ज्ञान-संपन्न और नैतिक रूप से सशक्त राष्ट्र बनाना था। उन्होंने युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, आत्मविश्वास और राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने का प्रयास किया। उनकी दृष्टि में शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका कमाने की योग्यता पैदा करना नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर विवेक, संवेदना, चरित्र और उत्तरदायित्व का विकास करना भी था। वे चाहते थे कि प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा पहचाने, असफलताओं से सीखे और अपनी ऊर्जा को समाज की समस्याओं के समाधान में लगाए। आज प्रश्न यह है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था और छात्र राजनीति उनके इस स्वप्न को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं? समकालीन परिदृश्य का एक चिंताजनक पक्ष यह है कि अनेक शिक्षण संस्थानों में हिंसक टकराव, तोड़फोड़, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, अनुशासनहीनता और शक्ति प्रदर्शन जैसी घटनाएं चिंता उत्पन्न कर रही हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि समूचा छात्र समुदाय इस प्रवृत्ति का शिकार है, क्योंकि इसी पीढ़ी के विद्यार्थी विज्ञान, तकनीक, खेल, पर्यावरण संरक्षण, उद्यमिता और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य भी कर रहे हैं। फिर भी जहां छात्र जीवन की रचनात्मक ऊर्जा नकारात्मक गतिविधियों में खपती है, वहां समाज को उसके कारणों की पड़ताल करनी चाहिए। आखिर जिस उम्र में प्रयोगशालाओं में नए आविष्कार होने चाहिए, उस उम्र में यदि परिसर संघर्ष के अखाड़े बन जाएं, तो यह हमारी सामूहिक विफलता का संकेत है।

अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना, व्यवस्था से जवाबदेही मांगना और शिक्षा संबंधी समस्याओं पर संगठित होना छात्र जीवन का सकारात्मक पक्ष है। लेकिन आंदोलन और अराजकता के बीच एक महीन, किंतु निर्णायक रेखा होती है। जब तर्क की जगह ताव, संवाद की जगह टकराव और विरोध की जगह हिंसा ले लेती है, तब उद्देश्य पीछे छूट जाता है और अहंकार आगे आ जाता है। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार अनिवार्य है, लेकिन असहमति के नाम पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, शिक्षकों का अपमान करना अथवा दूसरे विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित करना किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता। आग लगाकर उजाला नहीं किया जा सकता और शाख काटकर वृक्ष को मजबूत नहीं बनाया जा सकता। इस स्थिति के लिए केवल विद्यार्थियों को दोष देना भी समस्या का सरलीकरण होगा। परिवारों में संवाद का अभाव, शिक्षा का बढ़ता व्यावसायीकरण, रोजगार को लेकर अनिश्चितता, मानसिक दबाव, सोशल मीडिया पर आक्रामकता का महिमामंडन, नशे की आसान उपलब्धता और छात्र राजनीति में बाहरी स्वार्थों का हस्तक्षेप भी इस संकट को गहरा सकते हैं। जब युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा नहीं मिलती, तब वह कभी निराशा, कभी आक्रोश और कभी अनुकरण की प्रवृत्ति में बहने लगती है। खाली दिमाग शैतान का घर होता है, यह लोकोक्ति हर परिस्थिति में सत्य नहीं, लेकिन इतना अवश्य है कि उद्देश्यहीन ऊर्जा भटकाव का कारण बन सकती है। इसलिए विद्यार्थियों को केवल उपदेश नहीं, अवसर, मार्गदर्शन, विश्वास और सार्थक भागीदारी भी चाहिए। यहां जैन दर्शन की अहिंसा, अनेकांत और आत्मानुशासन की शिक्षाएं विशेष प्रासंगिक हो जाती हैं। जैन परंपरा में अहिंसा का अर्थ केवल शारीरिक हिंसा से बचना नहीं, बल्कि विचार, वाणी और व्यवहार में भी संयम रखना है। अनेकांतवाद सिखाता है कि सत्य को समझने के लिए दूसरे पक्ष को सुनना और अपने विचारों की सीमाओं को स्वीकार करना आवश्यक है। यदि इन मूल्यों को छात्र जीवन में व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, तो मतभेद शत्रुता में नहीं बदलेंगे और विरोध संवाद का माध्यम बनेगा।

- ललित गर्ग

बड़ा सवाल यह है ...

डॉ घनश्याम बादल

जंतर मंतर की खामोशी के निहितार्थ

लोकतंत्र में सरकारें बोलें और जनता सिर्फ सुने, सवाल उठाए तो तयशुदा मैदानों में जाकर चिल्लाए—क्या यही नए भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था है? जंतर-मंतर को धरना-प्रदर्शन स्थलों की सूची से बाहर करने के फैसले ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि सत्ता को असुविधाजनक आवाज़ों से इतनी परेशानी क्यों है?

दिल्ली पुलिस के आदेश के बाद अब जंतर मंतर की आवाज बंद हो जाएगी और रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली के सीबीडी ग्राउंड प्रदर्शन के लिए उपलब्ध रहेंगे । सरकार इसे सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की ज़रूरत बता रही है। जबकि विपक्ष लोकतंत्र का गला घुटने एवं अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार पर प्रहार बढ़कर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहा है।

बड़ा सवाल यह है कि व्यवस्था बनाए रखने का रास्ता विरोध की जगह बदलना है या विरोध को प्रभावहीन बना देना?

जंतर-मंतर महज एक सड़क नहीं, सत्ता के दरवाजे पर दस्तक देने का प्रतीक था। यहां किसान, कर्मचारी, बेरोजगार, सामाजिक कार्यकर्ता और राजनीतिक विरोधी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचते रहे हैं। संसद और सत्ता के केंद्र के करीब उठने वाली आवाज़ का अपना दबाव होता है। उसे शहर के दूसरे छोर पर भेज देने से आवाज़ बंद तो नहीं होती, लेकिन उसकी गूंज जरूर घट सकती है। यही इस फैसले की सबसे बड़ी राजनीतिक आशंका है।

सरकार कहती है कि प्रदर्शन पर प्रतिबंध नहीं, केवल स्थान बदला गया है लेकिन अधिकार सिर्फ कागज पर बचा रहने से जीवित नहीं रहता। यह भी देखना होगा कि नए स्थल कितने सुलभ हैं, वहां प्रदर्शन की अनुमति कितनी आसानी से मिलती है और क्या वहां उठने वाली आवाज़ मीडिया, जनता तथा नीति-निर्माताओं तक पहले जैसी पहुंच रख पाएगी? मैदान उपलब्ध करा देना और विरोध को प्रभावी बने रहने देना दो अलग बातें हैं।

जंतर-मंतर को लेकर विवाद नया नहीं है। 2017 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने वहां प्रदर्शनों पर रोक लगाने और वैकल्पिक स्थल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। 2018 में मज़दूर किसान शक्ति संगठन बनाम भारत संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने प्रदर्शन के अधिकार और आम नागरिकों की सुविधाओं के बीच संतुलन की जरूरत रेखांकित की। अदालत ने न तो असीमित प्रदर्शन की छूट दी, न ही असहमति को कुचलने का लाइसेंस। मौजूदा फैसले की वैधता भी इसी कसौटी पर परखी जानी चाहिए—क्या प्रतिबंध जरूरी, आनुपातिक और उचित है? क्या वैकल्पिक स्थल वास्तव में कारगर हैं?

इस फैसले की राजनीतिक पृष्ठभूमि भी अनदेखी नहीं की जा सकती। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जारी विवाद के बीच जंतर-मंतर का दर्जा खत्म हुआ है। विपक्ष और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) जैसे समूह इसे असहमति सीमित करने की कोशिश मान सकते हैं; सरकार इसे सुरक्षा और व्यवस्था का निर्णय बता सकती है लेकिन राजनीतिक आरोपों से परे सरकार को यह साबित करना होगा कि फैसला किसी खास विचारधारा या आंदोलन को निशाना बनाने के बजाय समान प्रशासनिक मानदंडों पर आधारित है।

सौरव दास और आशुतोष राणा का जंतर-मंतर पहुंचना भी इसी टकराव का प्रतीक है। सीजेपी नेताओं और उनके साथियों की वहां प्रदर्शन की कोशिश बताती है कि स्थल का महत्व केवल भौगोलिक नहीं, राजनीतिक भी है। यदि वे प्रतिबंध के बावजूद वहां पहुंचकर अपनी बात दर्ज कराना चाहते हैं, तो उनका संदेश साफ है—स्थान बदलने से मुद्दा नहीं मिटेगा लेकिन आंदोलन की गंभीरता केवल टकराव से नहीं, उसके प्रमाणों, स्पष्ट मांगों और शांतिपूर्ण आचरण से तय होगी। हर अवज्ञा लोकतांत्रिक साहस नहीं और हर सरकारी आदेश जनहित की गारंटी भी नहीं।

सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि नए स्थलों पर अनुमति की प्रक्रिया क्या होगी, प्रतिबंधों के मानदंड क्या हैं और क्या सभी संगठनों को समान अवसर मिलेगा। विपक्ष को भी चुनावी निष्पक्षता से जुड़े अपने आरोप प्रमाणों के साथ रखने चाहिए। लोकतंत्र में न सत्ता को सवालों से छूट है, न आंदोलनकारियों को तथ्यों से।

जंतर-मंतर की जगह तीन मैदान ले सकते हैं, लेकिन क्या वे सत्ता के दरवाजे तक पहुंचने वाली आवाज़ की भरपाई कर सकेंगे? यह फैसला केवल दिल्ली की सड़कों का नहीं, लोकतांत्रिक मिजाज का सवाल है। आज विरोध को दूर भेजने की सुविधा है, कल सवाल पूछने वालों को ही असुविधाजनक घोषित करने का प्रलोभन भी हो सकता है। याद रहे, लोकतंत्र की पहचान इस बात से नहीं होती कि सरकार कितनी आसानी से चलती है बल्कि इससे होती है कि उसके खिलाफ उठने वाली आवाज़ को कितनी जगह मिलती है। जंतर-मंतर को सूची से हटाया जा सकता है; असहमति को लोकतंत्र से बेदखल नहीं किया जा सकता वरना मैदान तो रहेंगे, भीड़ भी जुटेगी—बस लोकतंत्र की आवाज़ धीरे-धीरे गूंगी होती जाएगी और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए यह एक बहुत ही गंभीर बात होगी जो उसके अस्तित्व एवं वर्चस्व पर एक बड़ा सवाल वैश्विक क्षितिज पर भी खड़ा कर सकती है।

प्रदेश सरकार ...

अमरेश कुमार

रेशम कीट पालन से निर्मित रेशमी बनारसी साड़ी तक आत्मनिर्भर हो रहा प्रदेश का रेशम उद्योग

उत्तर प्रदेश रेशम विभाग राज्य में रेशम कीट पालन ;ैमतपबनसजनतमद्ध और रेशम उद्योग के विकास, प्रोत्साहन और प्रसार के लिए उत्तरदायी एक प्रमुख शासकीय निकाय है। यह विभाग केवल रेशम नहीं बनाता, बल्कि गांव की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है, किसानों की आय बढ़ाता है और विशेषकर ग्रामीण महिलाओं को घर बैठे स्वरोजगार से जोड़ने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप अब उत्तर प्रदेश का रेशम विभाग बनारसी साड़ी के लिए कर्नाटक पर निर्भरता खत्म कर, यूपी को ही रेशम उत्पादन का हब बनाने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उत्तर प्रदेश में रेशम विकास से संबंधित कार्य शुरुआत में उद्योग निदेशालय के अंतर्गत संचालित होते थे। रेशम उत्पादन की अपार संभावनाओं और इसके व्यापक विस्तार को देखते हुए वर्ष 1992 में पृथक ''रेशम विकास विभाग'' की स्थापना हुई थी। तब से लेकर आज तक यह विभाग लगातार किसानों के जीवन में बदलाव ला रहा है।

प्रदेश सरकार कृषकों की आय में वृद्धि के लिए पारंपरिक गेहूं-धान की खेती के साथ-साथ रेशम कीट पालन को एक सहायक और अत्यंत लाभदायक विकल्प के रूप में विकसित कर रही है। एक एकड़ शहतूत की खेती से किसान साल में 4 से 5 बार फसल लेकर 1 लाख रुपये तक की अतिरिक्त आय कमा सकते हैं। स्वरोजगार का सृजन एवं ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में विशेषकर महिलाओं और भूमिहीन मजदूरों के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए रेशम कीट पालन में 60 प्रतिशत से अधिक कार्य महिलाएं ही करती हैं। प्रदेश में कच्चे रेशम का उत्पादन बढ़ाया गया है। उत्तर प्रदेश की विश्व प्रसिद्ध बनारसी साड़ी और हथकरघा उद्योग के लिए आवश्यक कच्चे रेशम ;तंू ैपसाद्ध का राज्य में ही उत्पादन बढ़ाया जा रहा है ताकि कर्नाटक और पश्चिम बंगाल पर रेशम धागे हेतु निर्भरता कम हो सके। वाराणसी अकेले देश के कुल रेशम का सबसे बड़ा उपभोक्ता है।

प्रदेश की भौगोलिक विविधता का सबसे बड़ा लाभ यह है कि उत्तर प्रदेश देश के उन चुनिंदा राज्यों में से है जहाँ जलवायु भिन्नता के कारण तीन प्रमुख प्रकार के रेशम का उत्पादन किया जाता है। शहतूती रेशम ;डनसइमततलद्धः यह सबसे मुलायम और सबसे अधिक मांग वाला रेशम है। इसका मुख्य खाद्य पौधा शहतूत ;डनसइमततलद्ध है। इसके प्रमुख उत्पादक क्षेत्र गोरखपुर, बस्ती, गोंडा, देवरिया, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सिद्धार्थनगर आदि हैं। प्रदेश का पूर्वी एवं तराई क्षेत्र इसकी बेल्ट है। दूसरे नम्बर पर टसर रेशम ;जंेतद्ध है। यह जंगली रेशम है, जो थोड़ा मोटा और मजबूत होता है। इसका मुख्य खाद्य पौधा अर्जुन एवं असन के वृक्ष हैं। इसके प्रमुख उत्पादक जिले सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, ललितपुर आदि हैं। विंध्य एवं बुंदेलखंड क्षेत्र, जहां अर्जुन के जंगल हैं, वहां टसर क्रांति आ रही है। यह कम बारिश वाले क्षेत्रों के लिए वरदान है।

तीसरे नम्बर पर एरी रेशम है। इसे शांति का रेशम या अहिंसा सिल्क भी कहते हैं, क्योंकि इसमें कीड़े को मारे बिना रेशम निकाला जाता है।

अंकों की होड़ में कहीं खो तो नहीं रहा सीखने का मकसद

शिक्षा किसी देश का भविष्य गढ़ती है, लेकिन जब शिक्षा का मकसद अच्छे अंक, ऊंची रैंक और प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिले तक सिमट जाए तो उसके उद्देश्यों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। भारत में विद्यार्थियों के सामने आज यही चुनौती है। उनसे बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा की जाती है लेकिन क्या शिक्षा व्यवस्था उन्हें स्वतंत्र सोचने, अपनी रुचि पहचानने और असफलता से उबरने का पर्याप्त अवसर देती है? क्या हम ज्ञानवान पीढ़ी तैयार कर रहे हैं या परीक्षा में सफल होने वाले विद्यार्थी?

15 अक्टूबर को विश्व छात्र दिवस पर इन सवालों से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती से जुड़ा यह दिन विद्यार्थियों की क्षमताओं, उनके सपनों और देश के भविष्य पर विचार करने का अवसर है। कलाम विद्यार्थियों में बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का विश्वास जगाते थे। लेकिन सपनों की चर्चा तभी सार्थक है, जब उन्हें पूरा करने के लिए जरूरी अवसर भी उपलब्ध हों। केवल प्रेरणा से शिक्षा की बुनियादी समस्याएं दूर नहीं होंगी। भारतीय शिक्षा व्यवस्था में परीक्षा का महत्व असंदिग्ध है। सीमित सीटों और बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के बीच चयन के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता। समस्या परीक्षा से नहीं बल्कि उसे शिक्षा का अंतिम उद्देश्य बना देने से है। अंकों और रैंक की होड़ में विषय की समझ, जिज्ञासा और रचनात्मकता पीछे छूटने लगती हैं। अच्छे अंक हासिल करना और किसी विषय को गहराई से समझना एक ही बात नहीं है। शिक्षा की गुणवत्ता इस बात से भी तय होनी चाहिए कि विद्यार्थी सीखी हुई जानकारी का इस्तेमाल कैसे करता है, किसी समस्या पर कितना तार्किक विचार करता है और नए सवाल उठाने का कितना साहस रखता है। यदि विद्यार्थी का मूल्यांकन केवल सही उत्तर देने की क्षमता से होगा, तो उसकी स्वतंत्र सोच को विकसित करने की गुंजाइश सीमित रह जाएगी।

राजेश जैन

जरा हटके

सरकारी योजनाओं ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

स्वयं सहायता समूह से जुड़कर बरेली की विदुषी यादव बनीं आत्मनिर्भर उद्यमी

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत जनपद बरेली में ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक स्वावलंबन के लिए सुव्यवस्थित कार्ययोजना संचालित की जा रही है। प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में गठित महिला स्वयं सहायता समूहों को संस्थागत वित्त, तकनीकी दक्षता और स्वरोजगार के सुगम अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस व्यवस्था के अंतर्गत महिलाएं पारंपरिक घरेलू सीमाओं से आगे बढ़कर गैर-कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों को सफलतापूर्वक अपना रही हैं। इसी क्रम में जनपद बरेली के विकासखंड आलमपुर जाफराबाद अंतर्गत ग्राम पंचायत चांदपुर नगरीया की निवासी विदुषी यादव ने स्वयं सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता का ठोस आधार तैयार किया है। विदुषी यादव गांव की 11 कर्मठ महिलाओं द्वारा गठित 'भागीरथी महिला स्वयं सहायता समूह' की सक्रिय सदस्य हैं। समूह में शामिल होने से पूर्व उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यधिक सीमित थी और परिवार के भरण-पोषण के लिए आजीविका का कोई नियमित या सुनिश्चित साधन उपलब्ध नहीं था। 'भागीरथी महिला स्वयं सहायता समूह' से जुड़ने के उपरांत विदुषी यादव ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के आधारभूत पंचसूत्र का निष्ठापूर्वक पालन किया। समूह की साप्ताहिक बैठकों में नियमित उपस्थिति, निरंतर साप्ताहिक बचत, समूह के भीतर आंतरिक लेन-देन, समयबद्ध ऋण वापसी और पारदर्शी लेखा-जोखा संधारण के माध्यम से समूह के वित्तीय आधार को मजबूती प्रदान की गई। इस सामूहिक वित्तीय अनुशासन के फलस्वरूप समूह की क्रेडिट रेटिंग और साख में उल्लेखनीय सुधार दर्ज हुआ। समूह की सक्रियता और वित्तीय अनुशासन के आधार पर मिशन के मानकों के अनुसार माइक्रो क्रेडिट प्लान तैयार किया गया। इसके तहत जिला प्रशासन की देखरेख में भागीरथी महिला स्वयं सहायता समूह को प्रारंभिक रिवाल्विंग फंड के उपरांत सामुदायिक निवेश निधि (सीआई-एफ) का वित्तीय सहयोग स्वीकृत किया गया। बिना किसी बंधक अथवा जटिल औपचारिकताओं के अत्यंत सुलभ ब्याज दरों पर प्राप्त इस सरकारी पूंजी ने विदुषी यादव के लिए स्वतंत्र उद्यम स्थापित करने की आधारशिला रखी। उपलब्ध वित्तीय संसाधन और अपने व्यक्तिगत हुनर का समुचित उपयोग करते हुए विदुषी यादव ने गांव में ही ब्यूटी पार्लर तथा हैंडीक्राफ्ट (हस्तशिल्प) का संयुक्त कार्य प्रारंभ किया। जनपद बरेली की पारंपरिक हस्तशिल्प पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए उन्होंने आधुनिक सौंदर्य सेवाओं के साथ हस्तनिर्मित उत्पादों के निर्माण को अपने उद्यम का आधार बनाया। ग्रामीण क्षेत्र में दोनों सेवाओं की निरंतर स्थानीय मांग को देखते हुए यह व्यवसाय तेजी से विकसित हुआ। विदुषी यादव के कुशल प्रबंधन और गुणवत्तापूर्ण कार्यों के परिणामस्वरूप उनके व्यवसाय का विस्तार आसपास के गांवों तक हुआ। वर्तमान में वह ब्यूटी पार्लर संचालन तथा हस्तशिल्प उत्पादों के विक्रय से प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपये की शुद्ध आय नियमित रूप से प्राप्त कर रही हैं। इस स्थिर आय ने उनके परिवार को आर्थिक स्थिरता प्रदान की है, जिससे बच्चों की शिक्षा और दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति सुचारु रूप से हो रही है। मासिक 15 से 20 हजार रुपये की आमदनी के साथ विदुषी यादव की वार्षिक आय दो लाख रुपये से अधिक के स्तर पर पहुंच चुकी है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा संचालित 'लखपति दीदी' पहल के अंतर्गत निर्धारित वित्तीय मानकों को प्राप्त कर लिया है। एक सामान्य ग्रामीण महिला से लखपति दीदी के रूप में उनकी यह प्रगति ग्रामीण वित्तीय समावेशन की वास्तविक उपलब्धि को दर्शाती है। विदुषी का उद्यम केवल उनकी व्यक्तिगत आय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने गांव की अन्य महिलाओं को भी इस आजीविका चक्र से जोड़ा है। वह भागीरथी स्वयं सहायता समूह की अन्य सदस्यों तथा गांव की युवतियों को ब्यूटी केयर एवं हैंडीक्राफ्ट निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं। इस पहल के माध्यम से गांव की कई अन्य महिलाएं भी कार्य से जुड़कर स्थानीय स्तर पर अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। जनपद बरेली में जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कदम उठाए जा रहे हैं। विकासखंड स्तर पर कार्यरत मिशन इकाइयों के माध्यम से समूहों को बैंक लिंकेज, आंतरिक वित्तीय प्रबंधन और कौशल संवर्धन की सुविधाएं दी जा रही हैं। महिलाओं को गैर-कृषि उद्यमों, विशेष रूप से हस्तशिल्प, वस्त्र निर्माण और सेवा क्षेत्र से जोड़ने के लिए तकनीकी सहयोग भी उपलब्ध कराया जा रहा है। स्वयं सहायता समूह प्रणाली ने ग्रामीण क्षेत्रों में असंगठित ऋणदाताओं और साहूकारों के महंगे ब्याज चक्र को समाप्त करने में प्रभावी भूमिका निभाई है। न्यूनतम ब्याज दर और पारदर्शी किस्तों पर उपलब्ध सरकारी वित्तीय सहयोग के कारण महिलाएं सुरक्षित वातावरण में अपने व्यवसाय का विस्तार कर रही हैं। डिजिटल साक्षरता और बैंक सखी व्यवस्था ने वित्तीय लेन-देन को और अधिक सुगम एवं पारदर्शी बनाया है। हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा समूहों के उत्पादों को जनपद स्तरीय प्रदर्शनियों, सरस मेलों और स्थानीय हाट-बाजारों से जोड़ा जा रहा है। इस संस्थागत व्यवस्था से विदुषी यादव जैसे सूक्ष्म उद्यमियों को अपने उत्पादों के विपणन के लिए बिचौलियों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता और उन्हें उत्पादों का उचित मूल्य सीधे प्राप्त होता है।

सरकारी योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन से आज ग्रामीण अंचल की महिलाओं को अपने पैरों पर खड़े होने और सम्मानजनक आजीविका स्थापित करने के सुलभ अवसर प्राप्त हो रहे हैं। जनपद बरेली के विकासखंड आलमपुर जाफराबाद में संचालित यह उद्यम ग्रामीण आजीविका मिशन के लक्ष्यों को धरातल पर चरितार्थ कर रहा है। जिला प्रशासन द्वारा जनपद के समस्त विकासखंडों में स्वयं सहायता समूहों को सूक्ष्म उद्यमों, तकनीकी प्रशिक्षण और वित्तीय संसाधनों से आच्छादित करने का कार्य निरंतर गति से आगे बढ़ाया जा रहा है , जिससे ग्रामीण महिलाएं संगठित होकर बेहतर आजीविका प्राप्त करने के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही हैं।

चार छात्राओं ने संभाली मध्याह्न भोजन प्राधिकरण की कमान, केजीबीवी काकोरी की मुस्कान

योगी सरकार में मिशन शक्ति से बेटियों को नेतृत्व का अवसर

- छात्राओं ने विद्यालयों के किचन शेड में स्वच्छता, गुणवत्तापूर्ण भोजन और रसोइयों के प्रशिक्षण पर दिया जोर
- निदेशक प्रेमरंजन सिंह ने छात्राओं के सुझावों की सराहना की, विद्यालयों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने की तैयारी
- मिशन शक्ति के माध्यम से बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता, निर्णय कौशल और प्रशासनिक समझ विकसित करने पर जोर

सुझाव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार की प्रेरणा से मिशन शक्ति अभियान प्रदेश में बालिकाओं को आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और नेतृत्व के व्यावहारिक अवसरों से जोड़ रहा है। इसी क्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी), काकोरी, लखनऊ की चार छात्राओं मुस्कान (कक्षा 8), सरिता (कक्षा 8), साक्षी (कक्षा 8) और राधिका (कक्षा 7) ने बुधवार को मध्याह्न भोजन प्राधिकरण पहुंचकर एक दिन की निदेशक के रूप में सांकेतिक दायित्व संभाला। इस पहल के



माध्यम से छात्राओं को प्रशासनिक कार्यप्रणाली समझने, विभागीय व्यवस्थाओं की समीक्षा करने और जनहित से जुड़े विषयों पर सुझाव रखने का अवसर मिला। प्राधिकरण के निदेशक प्रेमरंजन सिंह ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया और उनके विचारों को सुना। छात्राओं ने विद्यालयों में रसोई की स्वच्छता, बच्चों को ताजा एवं संतुलित भोजन उपलब्ध कराने तथा रसोइयों के प्रशिक्षण को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए।

निदेशक ने की छात्राओं की पहल की सराहना

मध्याह्न भोजन प्राधिकरण के निदेशक प्रेमरंजन सिंह ने छात्राओं के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और प्रशासनिक सोच की सराहना की। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य बालिकाओं को आगे बढ़ने, निर्णय लेने और समाज में अपनी प्रभावी भूमिका निभाने के अवसर उपलब्ध कराना है। इस तरह के अनुभव छात्राओं को प्रशासनिक व्यवस्था समझने और भविष्य में जनसेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

नेतृत्व का अनुभव, प्रशासनिक कार्यप्रणाली की समझ

सांकेतिक पदभार ग्रहण कार्यक्रम के दौरान चारों छात्राओं ने निदेशक की कुर्सी संभाली और विद्यालयों में मध्याह्न भोजन व्यवस्था को बेहतर बनाने से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखी। उन्होंने परिषदीय एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के किचन शेड में स्वच्छता के मानकों का पालन सुनिश्चित करने, बच्चों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन देने और भोजन तैयार करने वाली रसोइयों को समय-समय पर स्वच्छता एवं पोषण प्रबंधन का प्रशिक्षण देने पर जोर दिया। छात्राओं ने मध्याह्न भोजन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विद्यालयों में छात्र संख्या के अनुरूप भोजन तैयार करने, निर्धारित मेन्यू में पोषण का ध्यान रखने और आधुनिक किचन व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करने जैसे सुझाव दिए।

अम्बेडकरनगर में गोवंश संरक्षण अभियान हुआ तेज, एक दिन में 25 गोवंश संरक्षित

सेवा संकल्प अभियान के तहत 13 से 20 अक्टूबर तक विशेष मुहिम

- सड़क हादसों और फसलों के नुकसान पर अंकुश लगाने की पहल
- पशुपालन, नगर पंचायत और ग्राम विकास विभाग संयुक्त रूप से चला रहे अभियान, किसानों और आमजन से सहयोग की अपील

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी श्रीमती ईशा प्रिया के निर्देश पर जनपद में निराश्रित गोवंशों के संरक्षण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 13 से 20 अक्टूबर 2026 तक संचालित इस अभियान का उद्देश्य सड़कों पर घूमने वाले निराश्रित गोवंशों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका कम करना और किसानों



की खड़ी फसलों को नुकसान से बचाना है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी के अनुसार, अभियान के तहत गत दिवस तक 12 गोवंशों को संरक्षित किया गया था, जबकि 14 अक्टूबर को 25 गोवंशों को पकड़कर विभिन्न गौशालाओं में पहुंचाया गया। इस प्रकार उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, अब तक कुल 37 गोवंश संरक्षित किए जा चुके हैं। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए पशुपालन विभाग, नगर पंचायत और ग्राम विकास विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी संयुक्त रूप से कार्य कर रहे हैं। सड़कों और खेतों में विचरण करने वाले निराश्रित गोवंशों को सुरक्षित तरीके से पकड़कर नजदीकी गौशालाओं में संरक्षित कराया जा रहा है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने किसानों और आमजन से अपील की है कि गांवों तथा आसपास के क्षेत्रों में सड़कों एवं खेतों में घूम रहे निराश्रित गोवंशों की सूचना संबंधित खंड विकास अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी अथवा विभागीय अधिकारियों को दें। उन्होंने कहा कि गोवंशों को सुरक्षित रूप से पकड़वाकर गौशालाओं तक पहुंचाने में नागरिकों का सहयोग बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि निराश्रित गोवंशों को पकड़ना चुनौतीपूर्ण कार्य है और इसे सफल बनाने के लिए विभागीय प्रयासों के साथ जनभागीदारी भी आवश्यक है। अभियान में सभी के सहयोग से सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम करने और किसानों की फसलों को नुकसान से बचाने में मदद मिलेगी।

फास्ट न्यूज

डॉ. सोमेन्द्र तोमर के पिता के निधन पर शोक सभा

हापुड़। हापुड़ में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री डॉ. सोमेन्द्र तोमर के पिता के निधन पर शोक सभा हुई। यह सभा बुधवार, 14 अक्टूबर 2026 को जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में पूर्व सैनिकों ने आयोजित की। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों और पूर्व सैनिकों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं।

काशी विश्वनाथ से सोना गायब होने की पीएमओ में शिकायत

वाराणसी। काशी विश्वनाथ मंदिर के स्वर्ण शिखर से सोना गायब होने का मामला सामने आया है। वकील नित्यानंद राय ने इसकी शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) में की है। मंदिर कार्यपालक समिति के अध्यक्ष और वाराणसी कमिश्नर एस. राजलिंगम ने आरोप को गलत बताया। उन्होंने कहा कि एक छोटा स्वर्ण कलश बंदरों की उछल-कूद के दौरान गिर गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देश पर मंदिर प्रशासन भी मामले की आंतरिक जांच कर रहा है। स्वर्ण शिखर की मजबूती का आकलन और मरम्मत के लिए IIT मद्रास से संपर्क किया गया है।

नर्सिंग अलाउंस की मांग को लेकर सीएमओ ऑफिस में प्रदर्शन

कन्नौज। कन्नौज में मांगें पूरी न होने से नाराज राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएच-एम) के डॉक्टरों और एएनएम ने बुधवार दोपहर सीएमओ कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन किया। दोपहर करीब 12 बजे शुरू हुआ प्रदर्शन 3 से 4 घंटे तक चला। इस दौरान सीएचसी-पीएचसी से लेकर जिला अस्पताल तक स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने की बात सामने आई।

बसखारी में श्रमिकों के लिए लगा जागरूकता शिविर

योजनाओं से जोड़ने की पहल, ई-श्रम कार्ड बनाए

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सेवा संकल्प अभियान के तहत श्रम विभाग ने पूरा बागज्योति, बसखारी में श्रमिक जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर आयोजित किया। इसमें श्रमिकों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ पंजीकरण और डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूक किया गया। शिविर में उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं, ई-श्रम कार्ड और प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना की पात्रता व लाभ बताए गए। नए श्रमिकों का पंजीकरण किया गया, जबकि पुराने पंजीकरण के नवीनी-करण की प्रक्रिया भी समझाई गई।



श्रमिकों को रोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिए यूपी डिजिटल लेबर चौक ऐप की जानकारी दी गई। मौके पर ही श्रमिकों के मोबाइल में ऐप डाउनलोड कराकर प्रोफाइल पूरी करने की प्रक्रिया समझाई गई, ताकि वे डिजिटल माध्यम से रोजगार के अवसरों तक पहुंच बना सकें। शिविर के जरिए श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने, पंजीकरण संबंधी प्रक्रियाओं को समझने और डिजिटल सुविधाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

जिले में करीब 2,000 स्थानों पर स्थापित हुए दुर्गा पूजा पंडाल, विसर्जन के लिए 18 प्रमुख स्थल चिह्नित

शारदीय नवरात्रि पर अम्बेडकरनगर प्रशासन अलर्ट, डीएम ने बताईं तैयारियां

तैयारी

कृष्ण कुमार दुबे

अम्बेडकरनगर। शारदीय नवरात्रि एवं दुर्गा पूजा पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। पर्व के दौरान सुरक्षा, स्वच्छता और व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारियां की गई हैं। जिलाधिकारी ने प्रेस वार्ता के दौरान तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में करीब 2,000 स्थानों पर दुर्गा पूजा पंडाल स्थापित किए गए हैं। गली-मोहल्लों में मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित कर श्रद्धालु हर्षोल्लास के साथ पर्व मना रहे हैं। प्रतिमा विसर्जन के लिए जिले में 18 प्रमुख स्थलों को चिह्नित किया गया है। सीसीटीवी निगरानी और साफ-सफाई पर जोर प्रशासन की



ओर से सभी नगर निकायों तथा ग्राम प्रधानों को निर्देशित किया गया है कि दुर्गा पूजा पंडालों और विसर्जन स्थलों के आसपास सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही नियमित साफ-सफाई, कूड़ा उठान और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है। घाटों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए कर्मचारियों की शिफ्टवार ड्यूटी लगाने के निर्देश भी दिए गए हैं, जिससे विसर्जन के दौरान व्यवस्थाएं सुचारु बनी रहें।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे शारदीय नवरात्रि एवं दुर्गा पूजा का पर्व आपसी सौहार्द, श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाएं। साथ ही प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहयोग दें।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन सतर्क

जिलाधिकारी ने बताया कि नवरात्रि एवं दुर्गा पूजा के मद्देनजर पुलिस प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। प्रमुख दुर्गा पूजा पंडालों और विसर्जन स्थलों पर मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई गई है। पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

विसर्जन घाटों पर ट्रिपल लेयर बैरिकेडिंग

प्रतिमा विसर्जन के दौरान सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विसर्जन घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, ट्रिपल लेयर बैरिकेडिंग और साफ-सफाई के इंतजाम किए गए हैं।

सख्त, फरियादियों की शिकायतों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश



तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। पुलिस अधीक्षक सुश्री प्राची सिंह ने बुधवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं और शिकायतें गंभीरता से सुनीं। विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने उनके समक्ष अपनी समस्याएं रखीं।

एसपी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि फरियादियों की समस्याओं को प्राथमिकता से लेते हुए प्रभावी कार्रवाई की जाए, ताकि उन्हें अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े।

बिजनौर में पारख महासंघ की आत्मसम्मान यात्रा का भव्य स्वागत

जनप्रतिनिधियों व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने की सहभागिता

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सरोजनी नगर विधानसभा क्षेत्र के बिजनौर में पारख महासंघ की ओर से नशामुक्त, अपराधमुक्त समाज और एक समान शिक्षा की मांग को लेकर निकाली जा रही जन जागरण आत्मसम्मान यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। संजय लोधी और संजय कुमार के नेतृत्व में स्थानीय साथियों ने यात्रा का स्वागत करते हुए सामाजिक जागरूकता और समानता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मलिहाबाद की विधायक जय देवी कौशल, मोहनलालगंज के विधायक की धर्मपत्नी वीरमती, भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विकास किशोर और उत्तर प्रदेश



पारख महासंघ के वरिष्ठ नेता रघुनंदन प्रसाद सहित कई जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद ताराचंद रावत, पूर्व पार्षद पुष्पेंद्र सिंह वर्मा, माता प्रसाद पेंटर, ज्ञान सिंह, कप्तान यादव, संजीव मिश्रा फंटन, हम्माद, बबलू यादव, संतोष रावत, दीपक रावत, संदीप यादव, पप्पू राय, शानू पासी और सद्दाम खान ने भी सहभागिता की। इसके अलावा पारख महासंघ जनपद सीतापुर के प्रभारी लालजी भार्गव, ज्ञानी सहित अन्य वरिष्ठ साथी उपस्थित रहे।

यात्रा के माध्यम से समाज में व्याप्त नशे की प्रवृत्ति और अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने, शिक्षा में समान अवसर सुनिश्चित करने तथा सामाजिक सम्मान और भाईचारे को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। आयोजन में शामिल लोगों ने समाज के वंचित और पिछड़े वर्गों को जागरूक करने तथा शिक्षा एवं सामाजिक समानता के लिए मिलकर प्रयास करने पर जोर दिया। बिजनौर में यात्रा के स्वागत के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों की सहभागिता रही। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जनमत तैयार करना और एक जागरूक, शिक्षित तथा नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में लोगों को प्रेरित करना रहा।

यूपी में 3 महीने में पंचायत चुनाव कराने का आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी में 3 महीने के अंदर पंचायत चुनाव कराने का आदेश दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिसमें निवर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाने के फैसले को अवैध बताया गया था। कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुनाते हुए कहा- मौजूदा ग्राम प्रधान चुनाव होने तक प्रशासक बने रहेंगे। यानी प्रशासक अगले तीन महीने तक काम करते रहेंगे। जस्टिस अजीत कुमार और गरिमा प्रसाद की डिवीजन बेंच ने 3 घंटे सुनवाई के बाद फैसला सुनाया। कोर्ट ने आदेश दिया कि सरकार तीन महीने के अंदर पंचायत निकायों में पूरी तरह से चुनाव संपन्न करवाए। जिस शासनादेश के तहत प्रशासकों की नियुक्ति की गई थी, वह पूरी तरह से वैध है। कोर्ट ने कहा कि ओबीसी कमीशन



अपना काम करता रहेगा और उसमें कोई बाधा नहीं आएगी, लेकिन चुनाव की प्रक्रिया कमीशन के काम पर निर्भर नहीं करेगी। चुनाव मौजूदा नियमों और ढांचे के तहत ही कराए जाएंगे। इसमें 27% आरक्षण के प्रावधान का पालन किया जाएगा।

हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या यूपी में अब विधानसभा चुनाव, पंचायत चुनाव के बाद होगा। पंचायतीराज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत है। हालांकि, हमारे पास सुप्रीम कोर्ट जाने का विकल्प है।

निर्देश : रोजगार सृजन से ग्रामीण आजीविका को मिलेगी नई गति, पात्रों तक पहुंचेगा योजनाओं का लाभ : उपमुख्यमंत्री

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए रोजगार और आजीविका के अवसर बढ़ाएं : केशव प्रसाद मौर्य

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनपद जालौन में ग्राम्य विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने, ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने तथा पात्र लाभार्थियों को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि गांवों का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता है। विकास योजनाओं का क्रियान्वयन स्थानीय आवश्य-कताओं को ध्यान में रखते हुए किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में



मुख्यमंत्री आवास योजना -ग्रामीण एवं प्रधानमंत्री आवास योजना -ग्रामीण की समीक्षा करते हुए श्री मौर्य ने निर्देश दिए कि आपदा प्रभावित परिवारों, विधवा महिलाओं तथा अन्य विशेष श्रेणियों के पात्र लाभार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर आवास उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं के लाभ से कोई भी पात्र परिवार वंचित नहीं रहना चाहिए। सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता के साथ निर्धारित समयसीमा में सुनिश्चित किया जाए तथा पात्रता के आधार पर लाभार्थियों को लाभान्वित करने में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ लोगों की आजीविका भी सुदृढ़ हो सके। उप मुख्यमंत्री ने विकसित भारत जी राम जी के अंतर्गत रोजगार सृजन की प्रगति की समीक्षा करते हुए 12 अक्टूबर को आयोजित विशेष रोजगार सृजन दिवस के परिणामों की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप रोजगार सृजन की प्रगति से अवगत कराया। श्री मौर्य ने निर्देश दिए कि श्रमिकों की मांग के अनुरूप उन्हें लगातार रोजगार उपलब्ध कराया जाए और रोजगार सृजन की गति को बनाए रखा जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के साथ उनकी आजीविका को स्थायी आधार प्रदान करने के लिए



गंभीरता से प्रयास किए जाएं। श्री मौर्य ने ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास पर जोर देते हुए निर्देश दिए कि कच्चे मार्गों से जुड़े सार्वजनिक स्थलों को प्राथमिकता के आधार पर पक्के मार्गों से जोड़ा जाए। ग्राम पंचायतों में कम्युनिटी हॉल के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे ग्रामीणों को सामुदायिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए बेहतर सुविधा मिल सके। उन्होंने जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन तथा स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति दी जाए।

जनपदीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भव्य आगाज, 800 मीटर दौड़ में सूरज ने मारी बाजी

डीएम ईशा प्रिया ने मार्च पास्ट की सलामी लेकर बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में माध्यमिक विद्यालयों की तीन दिवसीय जनपदीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने मार्च पास्ट की सलामी लेकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में जिले के 10 जोन से आए 600 से अधिक बालक-बालिका खिलाड़ी विभिन्न खेल स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन दौड़, लंबी कूद और गोला फेंक सहित विभिन्न स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद चित बहाल आदर्श बालिका इंटर कॉलेज, पूरनपुर की छात्राओं ने



सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समारोह में रंग भर दिया। विभिन्न जोन से आए खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्च पास्ट कर अतिथियों को सलामी दी। जनपद का ध्वज फहराने के बाद जिलाधिकारी ने रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ाए। खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन और आपसी सद्भाव के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने की शपथ ली। वहीं, पिछले वर्ष के चैंपियन धावक आजम ने मशाल लेकर ट्रैक का चक्कर लगाया। प्रतियोगिता के पहले दिन 800 मीटर सीनियर बालक वर्ग की दौड़ में कटेहरी के सूरज ने प्रथम स्थान हासिल किया। नेवादा के मोहम्मद फारुख द्वितीय और अकबरपुर के राजन तृतीय स्थान पर रहे। सीनियर बालिका वर्ग की 800 मीटर दौड़ में जलालपुर की स्नेहा ने बाजी मारी। जूनियर बालिका वर्ग की 800 मीटर दौड़ में अकबरपुर की हिमांश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। क्रीड़ा सचिव माध्यमिक अजीत सिंह के अनुसार, 600 मीटर सब-जूनियर बालक वर्ग में नाऊसांडा के चमन मौर्य प्रथम रहे, जबकि सब-जूनियर बालिका वर्ग में कटेहरी की लक्ष्मी ने पहला स्थान हासिल किया।

ईडी ने धोखाधड़ी और करप्शन का केस कराया, कल जेल में 8 घंटे पूछताछ की थी

आजम खान पर एक और एफआईआर

जनसभा

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर। सपा नेता आजम खान पर एक और FIR दर्ज कराई गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने जौहर ट्रस्ट और मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़ी वित्तीय गड़बड़ी को लेकर FIR कराई है। FIR ईडी के लखनऊ कार्यालय में तैनात डिप्टी डायरेक्टर पीयूष एस. थ्रोट ने रामपुर के अजीमनगर थाने में दर्ज कराई है। इससे पहले, लखनऊ से पहुंची 3 अफसरों की ईडी टीम ने मंगलवार को जेल की बैरक नंबर-1 में करीब 8 घंटे तक पूछताछ की थी। ED ने लखनऊ की PMLA कोर्ट (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) से आजम से 4 दिन पूछताछ की इजाजत ली है। पूछताछ 16 अक्टूबर तक चलेगी। सूत्रों के



मुताबिक, पहले दिन आजम से जौहर यूनिवर्सिटी और मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट में धांधली को लेकर सवाल किए गए। चंदा कहां-कहां से मिला? पूछा गया। इस पर आजम खान पहले तो बीमारी का बहाना बनाते रहे। बाद में उन्होंने कुछ सवालों के जवाब दिए। ईडी ने 19 अगस्त को रामपुर, सहारनपुर और दिल्ली में जौहर ट्रस्ट, विश्वविद्यालय और आजम खान से जुड़े 10 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान वित्तीय लेन-देन, चंदे और निर्माण कार्यों से जुड़े दस्तावेजों की जांच की गई थी। इसके बाद एजेंसी ने मामले से जुड़े लोगों से पूछताछ कर जांच आगे बढ़ाई।

आजम ने 78 करोड़ दिखाकर खर्च किए 494 करोड़

- एसपी अनिल सिंह सिसोदिया ने बताया- आजम पर दर्ज केस की जांच सीओ टांडा पंकज पंत करेंगे। एफआईआर में उन पर आरोप है कि जौहर विश्वविद्यालय के निर्माण में आई लागत को कम दिखाते हुए अपनी चहेती कंपनियों को सरकारी ठेके दिए गए। इन लोगों ने जौहर अली ट्रस्ट के नाम पर जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में 78 करोड़ रुपए खर्च दिखाया, जबकि जांच में 494 करोड़ रुपए खर्च होने का खुलासा हुआ। यानी 416 करोड़ का निर्माण कहां से और किसके पैसों से हुआ? इसका कोई हिसाब नहीं है।
- FIR में बताया गया कि जौहर विश्वविद्यालय आजम का ड्रीम प्रोजेक्ट है। जौहर विश्वविद्यालय ट्रस्ट के सदस्य भी ज्यादातर उनके करीबी और घर के लोग हैं। जिसमें पत्नी तंजीन फातिमा, बेटा और बहन समेत उनके कई करीबी हैं। पिछले दो सप्ताह में सपा के विधायक नसीर खान, आजम के बेटे के दोस्त अनवर सालिम और अन्य लोगों के बयान लखनऊ में ईडी ने बुलाकर दर्ज किए। इनके बयानों के बाद ही आजम खान से जेल में पूछताछ की जा रही है। संतोषजनक जवाब न मिलने के बाद केस दर्ज कराया गया है।

अक्टूबर को सपा विधायक से पूछताछ हुई थी

6 अक्टूबर को रामपुर की चमरौआ विधानसभा सीट से सपा विधायक नसीर अहमद खान से ED ने 7 घंटे पूछताछ की थी। नसीर जौहर ट्रस्ट के संयुक्त सचिव रह चुके हैं। ईडी ने सपा विधायक को समन भेजकर पूछताछ के लिए लखनऊ बुलाया था। पूछताछ के दौरान ट्रस्ट में लिए जाने वाले फैसलों, चंदे और जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण कार्यों में उनकी भूमिका को लेकर सवाल किए गए थे।



अजीमनगर थाना प्रभारी ने बताया- एफआईआर में सरकारी पद के गलत इस्तेमाल, धोखाधड़ी और बड़े पैमाने पर करप्शन के आरोप लगाए गए हैं। इसमें रामपुर जेल में बंद सपा नेता आजम के अलावा जौहर अली ट्रस्ट, जौहर यूनिवर्सिटी की बिल्डिंगों के निर्माण से जुड़ी दो कंपनियों एसएसएंडएस इंटरप्राइजेज, एसके चिके प्रा. लि. और एक अज्ञात समेत 5 के नाम हैं।

दृष्टिबाधित छात्रा रिदा जेहरा को एसएसपी ने किया सम्मानित

गीता के श्लोकों का सस्वर पाठ कर दिखाई प्रतिभा

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मिशन शक्ति-6.0 के तहत ब्रजमोहन स्कूल फॉर द ब्लाइंड की दृष्टिबाधित छात्रा रिदा जेहरा को एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस दौरान रिदा ने श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों का सस्वर पाठ कर अपनी प्रतिभा और आध्यात्मिक ज्ञान का परिचय दिया। रिदा की प्रतिभा से उपस्थित अधिकारियों और अतिथियों ने प्रभावित होकर उनकी सराहना की।

यह सम्मान उनके आत्मविश्वास, लगन और ज्ञान के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उनकी उपलब्धि ने संदेश दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति और उचित प्रोत्साहन से दिव्यांग विद्यार्थी भी अपनी प्रतिभा के बल पर विशिष्ट पहचान बना सकते हैं।



कार्यक्रम में एसपी सिटी विनायक भोसले, एसपी क्राइम अवनीश कुमार, ब्रजमोहन स्कूल फॉर द ब्लाइंड के सचिव ज्ञानेंद्र अग्रवाल, स्वामी सत्यानंद ट्रस्ट फॉर हैंडीकैप्ड इंडिया के सचिव धर्मवीर सक्सेना, प्रधानाचार्य प्रवीण शर्मा और उप प्रधानाचार्या उपासना शर्मा मौजूद रहीं।

रिदा को सम्मानित किए जाने पर विद्यालय परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मेरठ पुलिस प्रशासन का आभार जताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फास्ट न्यूज

8 इंच की पाइपलाइन फटी, सड़क धंसी

आगरा। आगरा के कोठी मीना बाजार तिराहे पर पक्षीघर के पास मंगलवार शाम सिकंदरा वाटरवर्क्स से शाहगंज जाने वाली 8 इंच की मुख्य पाइप-लाइन फट गई।

इससे सड़क पर लाखों लीटर गंगाजल बह गया और सीएम ग्रिड योजना के तहत खुदाई वाली जगह धंस गई। लाइन टूटने से सड़क पर पानी भर गया और शाम से रात तक जाम लगा रहा। मंगलवार रात मरम्मत शुरू होने के बावजूद बुधवार दोपहर तक सप्लाई बहाल नहीं हो सकी।

अलीगढ़ में यशपाल बघेल बने पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष

अलीगढ़। भाजपा ने अलीगढ़ में पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला और महानगर अध्यक्षों की नियुक्ति की है। यशपाल बघेल को जिलाध्यक्ष और भूपेंद्र सिंह राजपूत को महानगर अध्यक्ष बनाया गया है।

मंगलवार देर रात पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल ने नियुक्तियों की सूची जारी की। दोनों नेताओं को संगठन की गतिविधियां बढ़ाने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की जिम्मेदारी दी गई है। पुराने कार्यकर्ताओं को मिली जिम्मेदारी

एटीएम में महिला का कार्ड बदलकर 20 हजार निकाले

अलीगढ़। अलीगढ़ के जमालपुर स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम में रुपये निकालने पहुंची महिला का कार्ड बदलकर 20 हजार रुपए की ठगी कर ली गई। आरोपी ने पहले महिला का एटीएम पिन देखा, फिर चालाकी से कार्ड बदलकर फरार हो गया। महिला को कार्ड बदले जाने का पता चलता, इससे पहले ही आरोपी ने उनके खाते से दो बार में रकम निकाल ली।

महिला की हत्या के बाद आरोपी के घर में आग, बनखोदवा में तनाव

आग पर फायर ब्रिगेड ने पाया काबू, एहतियातन कई थानों की पुलिस तैनात

तमसा संकेत, संवाददाता

भीटी, अम्बेडकरनगर। भीटी थाना क्षेत्र के बनखोदवा गांव में महिला की हत्या के दो दिन बाद बुधवार को आरोपी के घर में आग लगने से हड़कंप मच गया। घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए कई थानों की पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई। जानकारी के अनुसार, सोमवार 12 अक्टूबर की शाम गांव निवासी सुषमा निषाद (32) की हत्या कर दी गई थी। मामले में गांव के ही अजय निषाद का नाम सामने आया था।

पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी थी। बुधवार दोपहर आरोपी के घर में आग लगने की सूचना मिली। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। अज्ञात लोगों द्वारा आग लगाए जाने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।



सूचना पर पहुंची पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया।

गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस आग लगने के कारणों और घटना में किसी की संलिप्तता की जांच कर रही है।

5 दिन बाद भी आरोपी गिरफ्तार नहीं, इकरा हसन पहुंची गंगोह कोतवाली, एनकाउंटर की मांग

अरबीन हत्याकांड : धरने पर बैठे परिजनों पर पुलिस का लाठीचार्ज

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर में टायर फैक्ट्री मालिक अरबीन चौहान की हत्या के मामले में पांच दिन बाद भी बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इससे अरबीन के परिजनों और जानने वालों में आक्रोश है। बुधवार को अरबीन की मां जुबैदा और परिवार की महिलाओं समेत सैकड़ों लोग गंगोह कोतवाली पहुंचे। लोगों ने कोतवाली परिसर में धरना देकर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। दरअसल मामला गंगोह के गांव कलरेहड़ी का है। जहां शुक्रवार रात टायर से ऑयल निकालने वाली फैक्ट्री के मालिक अरबीन चौहान (45) की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। घटना का CCTV फुटेज



सामने आया था। पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। मुख्य आरोपी नीरज को गिरफ्तार कर लिया गया है। धरने की जानकारी मिलने पर सीओ शैलेंद्र प्रताप गौतम, कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार और नानौता व तीतरो थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने का प्रयास किया। भीड़ बढ़ने और स्थिति तनावपूर्ण होने पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और लोगों को कोतवाली परिसर से बाहर निकाल दिया।

मां, बहनों और भाई ने धरने में लिया हिस्सा

अरबीन की मां जुबैदा, बेटी सुहाना, एक्सा और सिफा के साथ उनकी बहनें मेहरुबा, शेरो, नूरजहां, मुदी और अफसाना भी प्रदर्शन में शामिल हुईं। मृतक के भाई अमजद समेत परिवार के अन्य सदस्य भी कोतवाली परिसर में धरने पर बैठे।

परिजनों का कहना है कि हमें इंसाफ चाहिए और हत्याकांड में शामिल बाकी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस-प्रशासन से मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है।

प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई और एनकाउंटर की मांग भी उठाई। इस दौरान भीड़ बढ़ने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को कोतवाली से बाहर निकाला। इस दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया।



गंगोह कोतवाली पहुंचने पर इकरा हसन में अरबीन की मां-बहन को सांत्वना दी।

सांसद इकरा हसन और विधायक नाहिद हसन पहुंचे

हत्याकांड के विरोध में चल रहे प्रदर्शन में सपा सांसद इकरा हसन और विधायक नाहिद हसन भी पहुंचे। इनके अलावा नियाज प्रधान, पूर्व चेयरमैन नोमान मसूद, हमजा मसूद और संदीप चौधरी समेत विभिन्न राजनीतिक दलों और संगठनों के नेता-कार्यकर्ता मौजूद रहे। आजाद समाज पार्टी, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, एसडीपीआई और किसान यूनियन से जुड़े लोगों ने भी प्रदर्शन में हिस्सा लिया। कुछ वकील भी कोतवाली पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।

इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज और रूस की मारी स्टेट यूनिवर्सिटी के बीच समझौता

एआई, संयुक्त शोध, ड्यूल डिग्री और छात्र-शिक्षक आदान-प्रदान से खुलेंगे नए अवसर

तमसा संकेत, संवाददाता

साहिबाबाद। औद्योगिक क्षेत्र साइट-4 स्थित इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपीईसी) और रूस की मारी स्टेट यूनिवर्सिटी के बीच शैक्षणिक सहयोग को विस्तार देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। 13 अक्टूबर को रूस के योश्कर-ओला स्थित विश्वविद्यालय पहुंचे आईपीईसी के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त शोध, तकनीकी नवाचार, छात्र-शिक्षक आदान-प्रदान और कौशल विकास जैसे विषयों पर चर्चा की। मारी स्टेट यूनिवर्सिटी में प्रतिनिधिमंडल का स्वागत अंतरराष्ट्रीय एवं विधिक मामलों की उप-कुलपति इरीना पेट्रोवा और अंतरराष्ट्रीय विभाग की प्रमुख नतालिया कनाशिना सहित अन्य अधिकारियों ने किया। आईपीईसी के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल



इंजीनियरिंग और चिकित्सा सहित विभिन्न क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग को सहयोग के प्रमुख क्षेत्र बताया। उन्होंने कहा कि छात्र-शिक्षक आदान-प्रदान से दोनों संस्थानों को नई तकनीकों और अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक अनुभवों का लाभ मिलेगा। आईपीईसी की वाइस चेयरमैन आकांक्षा अग्रवाल ने शिक्षा को उद्योगों की जरूरतों से जोड़ने और विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया। वहीं, मारी स्टेट यूनिवर्सिटी के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के उपाध्यक्ष विभूति शंकर ने भारतीय विद्यार्थियों को आकर्षित करने के लिए अकादमिक ओलंपियाड आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने सॉफ्टवेयर विकास, संयुक्त वैज्ञानिक परियोजनाओं, शोध पत्रों के प्रकाशन और ड्यूल डिग्री कार्यक्रमों की संभावनाओं पर भी चर्चा की। अंतरराष्ट्रीय विभाग की प्रमुख नतालिया कनाशिना ने भारतीय और रूसी विद्यार्थियों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा अल्पकालिक शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की बात कही। मारी स्टेट यूनिवर्सिटी के रेक्टर प्रो. मिखाइल श्वेत्सोव ने आईपीईसी के साथ दीर्घकालिक साझेदारी विकसित करने की इच्छा जताई। यह पहल भारत-रूस के शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करने के साथ विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए नए अंतरराष्ट्रीय अवसर सृजित करने की दिशा में अहम कदम है।

सुबह हल्की सर्दी, दिन में उमस, मानसून में सामान्य से 1% कम बारिश

आगरा में 19 अक्टूबर तक मौसम साफ रहेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में बुधवार सुबह हल्की धूप निकली और करीब 6 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलती रही। सुबह गर्मी से राहत रही, जबकि तड़के हल्की सर्दी का अहसास हुआ। दिन में कुछ समय बादल छा सकते हैं, लेकिन बारिश की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, 19 अक्टूबर तक मौसम साफ रहने का अनुमान है। इस दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। पिछले पांच दिनों से चल रही हवाओं के कारण दिन और रात के तापमान में बदलाव देखने



को मिल रहा है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सोमवार के 34.5 डिग्री के मुकाबले 0.1 डिग्री कम था। वहीं, न्यूनतम तापमान सोमवार के 21.5 डिग्री से गिरकर मंगलवार को 21.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, आने वाले दिनों में भी तापमान में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

सितंबर में एक बूंद बारिश नहीं हुई

मानसून के दौरान कम बारिश के बाद सितंबर में भी आगरा सूखे जैसी स्थिति से जूझता रहा। 1 से 13 सितंबर के बीच सामान्य बारिश में 100% की कमी दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, इस अवधि में 11.9 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन बूंदाबांदी तक नहीं हुई। एक तरफ लखनऊ में बाढ़ के हालात बने हुए हैं और आवासीय इलाकों में नाव चलाने की नौबत आ गई है। गोंडा के 8 गांवों में पानी घुसा है, जबकि सीतापुर के 20 गांव जलमग्न हैं। वहीं, आगरा में बारिश की कमी से सूखे जैसी स्थिति बनी हुई है।

पूरे मानसून में सामान्य से सिर्फ 3.1 मिमी कम बारिश

1 जून से 30 सितंबर तक चले मानसून सीजन में कुल 527.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। सामान्य तौर पर इस अवधि में 530.3 मिमी बारिश होनी चाहिए थी। इस तरह पूरे सीजन में सामान्य से 3.1 मिमी यानी करीब 1% कम बारिश हुई। हालांकि, सीजन के दौरान कुछ दिनों में तेज बारिश हुई, जबकि बाकी समय बारिश सामान्य से कम रही। इसी वजह से पूरे मानसून का आंकड़ा सामान्य के करीब रहा, लेकिन बारिश का वितरण एक जैसा नहीं था।

पृष्ठ 01 का शेष...

रेलवे कर्मचारियों को ...

दिव्यांगों की पेंशन नियमों में भी बदलाव को मंजूरी दी गई है। इसके तहत अब दिव्यांगों को 18 साल की बजाय जन्म से पेंशन मिलेगी। कैबिनेट ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम को अगले पांच साल तक जारी रखने का फैसला भी लिया है। यह संविधान के अनुच्छेद 41 में दिए गए नीति-निर्देशक सिद्धांतों से जुड़ा है और इसका पूरा खर्च केंद्र सरकार उठाती है। सरकार के मुताबिक, बुजुर्गों और विधवाओं की पेंशन योजनाएं और राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना पहले की तरह जारी रहेंगी। वहीं, अन्नपूर्णा योजना के तहत ऐसे पात्र बुजुर्गों को अनाज दिया जाता है, जिन्हें वृद्धावस्था पेंशन का लाभ नहीं मिलता।

साहिल और मुस्कान ...

सौरभ राजपूत की हत्या 3 मार्च, 2025 को हुई थी। मुस्कान और साहिल ने सबूत मिटाने के लिए सौरभ के शव को 5 टुकड़ों में काटकर नीले ड्रम में भर दिया था। इसके बाद उस पर सीमेंट का घोल डाल दिया था। मुस्कान-साहिल को फांसी की सजा सुनाने वाले मेरठ के जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार मिश्रा-II का जन्म 2 जुलाई 1971 को मऊ में हुआ था। उन्होंने बीए, एलएलबी और एलएलएम की पढ़ाई की है। इसके बाद 31 मई, 2003 को न्यायिक सेवा में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के रूप में करियर शुरू किया। करीब 23 साल के न्यायिक अनुभव के दौरान गाजीपुर, अलीगढ़, गोरखपुर, कानपुर और मिर्जापुर समेत कई जिलों में तैनात रहे। नवंबर, 2024 में मिर्जापुर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश बने। 21 मई, 2026 से मेरठ में तैनात हैं। मेरठ के एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया- मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल ने सौरभ को मार दिया था। जितने भी लोगों ने इस केस में अच्छा काम किया है, सब लोग प्रशंसा के पात्र हैं। इनको प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार दिया जाएगा। डीजीसी (जिला शासकीय अधिवक्ता) केके चौबे ने बताया- जजमेंट को करीब एक सप्ताह बाद हाईकोर्ट में कन्फर्मेशन के लिए भेजा जाएगा। हाईकोर्ट अगर फांसी की सजा को कन्फर्म कर देती है, तो यह फाइल सुप्रीम कोर्ट जाएगी। वहां से फांसी कन्फर्म होगी। सुप्रीम कोर्ट से कंफर्म के बाद राष्ट्रपति के पास फाइल जाएगी। वहां से स्वीकृति मिलने के बाद दोनों को फांसी की तारीख मुकर्रर होगी और फिर फांसी होगी। इस प्रक्रिया में 2 से 3 साल का समय भी लग सकता है। यह भी हो सकता है कि मुस्कान और साहिल की हाईकोर्ट या फिर सुप्रीम कोर्ट से फांसी की सजा कैंसल हो जाए। राष्ट्रपति के यहां से दया याचिका डालकर फांसी पर माफी मिल जाए। वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा के अनुसार, चौधरी चरण सिंह जिला कारागार में आखिरी बार साल- 1975 में मुजफ्फरनगर के करम सिंह को फांसी दी गई थी। उसके बाद मेरठ जेल में किसी को फांसी नहीं दी गई। अब साहिल और मुस्कान को फांसी की सजा सुनाई गई है। अगर दोनों को फांसी होती है, तो साहिल मेरठ जेल में फांसी पाने वाला दूसरा पुरुष होगा। वहीं, मुस्कान पहली महिला होगी। 2014 में यहां निठारी कांड के दोषी सुरेंद्र कोली को फांसी दिए जाने की तैयारी की गई थी, लेकिन ऐन मौके पर वह भी टल गई थी। मेरठ में किसी महिला को पहली बार फांसी की सजा दी गई है। हालांकि, मेरठ में फांसी का यह दूसरा मामला है। इससे पहले 2003 में एक केस में फांसी की सजा सुनाई गई थी। फांसी की सजा मिलने के बाद साहिल और मुस्कान को लेकर जिला कारागार के भीतर भी व्यवस्था बदल गई है। फैसला आने के बाद शाम को जेल प्रशासन की बैठक हुई। इसमें साहिल-मुस्कान को लेकर तैयार की जाने वाली व्यवस्था पर चर्चा की गई। दोनों को 24 घंटे के भीतर विशेष बैरक में शिफ्ट कर दिया जाएगा। मुस्कान रस्तोगी को अभी तक बैरक नंबर 12-बी और साहिल शुक्ला बैंक नंबर- 15 में रखा गया था। जिला कारागार में दोनों अभी तक सामान्य कपड़े पहनते आ रहे थे। फांसी की सजा मिलने के बाद मुस्कान अब क्रीम कलर की साड़ी या सूट पहनेगी, जबकि साहिल को सफेद कुर्ता-पजामा पहनना होगा। वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा का कहना है कि जजमेंट की कॉपी मिलने के साथ ही नई व्यवस्था बहाल कर दी जाएगी। जल्द ही दोनों का कैदी नंबर भी अलॉट कर दिया जाएगा।

अखिलेश ने ...

योगी ने कहा कि यूपी में अभी हाल ही में राज्यसभा का चुनाव हुआ। आपने देखा होगा 10 सीट थी। आठ सीट भाजपा जीतती है, सपा के पक्ष में 2 सीट रही। भाजपा ने हर समाज को प्रतिनिधित्व देते हुए उन्हें राज्यसभा में भेजा। उत्तर प्रदेश पब्लिक सर्विस कमीशन में एक बार एक ऐसा व्यक्ति टॉप किया था जो हाईस्कूल, इंटर, बीए में थर्ड डिवीजन पास है। उन्होंने कहा कि सपा को प्रदेश की नहीं, केवल अपने परिवार की चिंता रही है। उसे सपा ने टॉप बना दिया। अराजकता और गुंडागर्दी थी। योगी बुधवार दोपहर संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में शिक्षक और स्नातक महासम्मेलन में शामिल होने वाराणसी पहुंचे थे। ये कार्यक्रम विधान परिषद के शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रखा गया। योगी ने सपा पर वादों से मुकरने का आरोप लगाते हुए कहा कि उस पर विश्वास करना मगरमच्छ से नदी पार कराने की उम्मीद करने जैसा है। मगरमच्छ नदी के बीच में ले जाकर क्या करेगा, यह सभी जानते हैं। उन्होंने सपा नेताओं पर बार-बार रंग बदलने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन्हें देखकर गिरगिट भी खुश होता होगा कि मनुष्य में उसकी जाति का कोई पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि सपा को प्रदेश की नहीं, केवल अपने परिवार की चिंता रही है।

कॉकरोच पार्टी 16 ...

केंद्र सरकार ने 12 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से हटा दिया। इसे 33 साल पहले प्रदर्शन की जगहों में शामिल किया गया था। यहीं पर अन्ना आंदोलन, पहलवानों का प्रदर्शन, कॉकरोच पार्टी का धरना हुआ था। गृह मंत्रालय की बनाई कमेटी की सिफारिश पर दिल्ली का रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली का CBD ग्राउंड प्रदर्शन स्थल बनाए गए हैं। CJP ने 12 अक्टूबर को ही CEC ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और SIR पर रोक की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की परमिशन मांगी थी, लेकिन पुलिस ने इनकार कर दिया था।

तमिलनाडु सरकार ...

जबकि त्योहारों के दौरान पुलिस अन्य जिम्मेदारियों में भी व्यस्त रहती है। जुलूसों से खरीदारी करने आए लोगों और आम जनता को परेशानी हो सकती है। कोर्ट ने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करने की मांग करने वाले नागरिकों के प्रति राज्य के रवैये पर भी चिंता जताई। संगठन की ओर से वरिष्ठ वकील एनएल राजा ने कहा कि पुलिस हर साल अनुमति देने से इनकार करती है, जिसके बाद संगठन को कोर्ट आना पड़ता है। नारायण के पुराने आपराधिक मामलों का जिक्र करने पर जस्टिस लक्ष्मीनारायणन ने RSS जुलूसों के कारण हुई हिंसा के ठोस उदाहरण मांगे। उन्होंने पूछा कि ऐसी हिंसा से जुड़े आपराधिक मामले कहां हैं। कोर्ट ने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करने की मांग करने वाले नागरिकों के प्रति राज्य के रवैये पर भी चिंता जताई। संगठन की ओर से वरिष्ठ वकील एनएल राजा ने कहा कि पुलिस हर साल अनुमति देने से इनकार करती है, जिसके बाद संगठन को कोर्ट आना पड़ता है। 2024 में भी RSS को मार्च की अनुमति नहीं मिली थी और संगठन को कोर्ट का रुख करना पड़ा था।

राज्य की ओर से एडवोकेट जनरल विजया नारायण ने कहा कि प्रस्तावित स्थल सार्वजनिक सभा के लिए अधिसूचित नहीं है, इसलिए अनुमति रोकी गई है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता पक्ष के पांच सदस्यों को राज्य के पब्लिक प्रॉसिक्यूटर से मिलकर शांतिपूर्ण आयोजन का समाधान निकालने को कहा। मामले की अगली सुनवाई गुरुवार को होगी।

शतक लगाने का फायदा मिला, अब टॉप-4 में 3 भारतीय, पाकिस्तानी कप्तान नंबर-3 पर हैं

अय्यर टी-20 बैटर्स की रैंकिंग में चौथे नंबर पर आए

मुकाबला

- भारत के रवींद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में पहले नंबर पर बने हुए हैं। साउथ अफ्रीका के वियान मुल्डर एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं।



नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर ICC की ताजा टी-20 बैटर्स रैंकिंग में चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 3 स्थान की छलांग लगाई है। 31 साल के अय्यर वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में शतक लगाने का फायदा मिला। अय्यर ने लखनऊ में टी-20 इंटरनेशनल करियर का पहला शतक लगाया था।

वहीं, ईशान किशन रैंकिंग में पहले और अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर हैं। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान तीसरे स्थान पर हैं। इस तरह टॉप-4 में भारत के 3 बल्लेबाज शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने डरबन में साउथ अफ्रीका को पहले टेस्ट में 214 रन से हराया। इसके बाद टेस्ट रैंकिंग में कई खिलाड़ियों को फायदा हुआ।

ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू रेनशॉ ने पहली पारी में 190 और दूसरी पारी में 82 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस प्रदर्शन के दम पर वह बल्लेबाजों की रैंकिंग में संयुक्त रूप से 49वें नंबर पर पहुंच गए।

बॉलिंग रैंकिंग में अक्षर पटेल 9वें नंबर पर

टी-20 बॉलिंग रैंकिंग में भारत के अक्षर पटेल 649 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 9वें नंबर पर हैं। वे टॉप-10 में शामिल इकलौते भारतीय गेंदबाज हैं। अफगानिस्तान के राशिद खान 720 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा 700 पॉइंट्स के साथ दूसरे और इंग्लैंड के आदिल राशिद 695 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर हैं। पाकिस्तान के अबरार अहमद भी 695 पॉइंट्स के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं।

रोस्टन चेज टी-20 ऑलराउंडर्स में तीसरे नंबर पर

वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेज को टी-20 इंटरनेशनल गेंदबाजों और ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में फायदा हुआ है। वे गेंदबाजों की रैंकिंग में 24 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में 2 स्थान की छलांग लगाकर तीसरे नंबर पर आ गए हैं। भारत के हार्दिक पंड्या 204 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 8वें नंबर पर हैं।

ICC टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग

रैंक	खिलाड़ी	टीम	रेटिंग अंक
1	ईशान किशन	भारत	904
2	अभिषेक शर्मा	भारत	891
3	साहिबजादा फरहान	पाकिस्तान	883
4	श्रेयस अय्यर	भारत	798
5	हैरी ब्रूक	इंग्लैंड	793
6	जोस बटलर	इंग्लैंड	789
6	डेवाल्ड ब्रेविस	साउथ अफ्रीका	789
8	फिल सॉल्ट	इंग्लैंड	775
9	तिलक वर्मा	भारत	731
10	पथुम निसांका	श्रीलंका	720

इससे पहले वह टॉप-100 से बाहर थे।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को भी फायदा हुआ है। उन्होंने दूसरी पारी में 49 रन देकर 6 विकेट लिए। इसके बाद वह 2 स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए। मिचेल स्टार्क गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर बने हुए हैं।

वेस्टइंडीज टी-20 मैच से पहले सूर्यवंशी बोले- इंतजार में हूं

नई दिल्ली, एजेंसी



- रेत घड़ी की इमोजी भी लगाई पूर्व कोच बोले- सीरीज जीत लें, फिर मौका दें
- वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू किया था नायर बोले- आखिरी मैच में वैभव को मौका दें

15 साल के भारतीय ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी-20 मैच से पहले इंस्टाग्राम पर 2 फोटो पोस्ट की। सूर्यवंशी ने कैप्शन में लिखा, 'स्टे सीटेड' यानी इंतजार में हूं। उन्होंने बवंडर और रेत घड़ी के इमोजी भी लगाए। वैभव को 5 मैच की इस टी-20 सीरीज में खेलने का एक भी मौका नहीं मिला है। भारत-वेस्टइंडीज का चौथा टी-20 आज शाम 7 बजे से खेला जाएगा।

वैभव सूर्यवंशी ने 4 जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वे अब तक खेले 8 मैचों में 186.36 के स्ट्राइक रेट से 246 रन बना चुके हैं। वैभव के नाम 2 अर्धशतक भी शामिल हैं।

भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, 'मैं चाहता हूं कि भारत 3-1 की बढ़त बना ले और आखिरी मैच में सूर्यवंशी खेलें।' भारत ने सीरीज का पहला मुकाबला 8 विकेट से जीता था। दूसरे टी-20 में टीम को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद भारत ने तीसरे मैच में वापसी करते हुए 14 रन से जीत दर्ज की।

श्रीलंका ने पाकिस्तान को क्लीन स्वीप से रोका

तीसरे टी-20 में 8 विकेट से हराया, मेंडिस की फिफ्टी, शनाका को 3 विकेट

रावलपिंडी, एजेंसी



श्रीलंका ने मंगलवार को तीसरे टी-20 मैच में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया। इसी के साथ उसने पाकिस्तान को 3 मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप करने से रोक लिया।

रावलपिंडी में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। पाकिस्तान के 20 ओवर में 8 विकेट पर 168 रन का स्कोर बनाया। जवाब में श्रीलंका ने 17.1 ओवर में 2 विकेट पर लक्ष्य हासिल करके जीत दर्ज की। श्रीलंकाई कप्तान कुसल मेंडिस ने 48 गेंदों पर नाबाद 87 रन बनाए। जबकि, गेंदबाज दासुन शनाका ने 3 विकेट झटके। मेंडिस प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। जबकि, साहिबजादा फरहान को प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट चुना गया।

पहले बल्लेबाजी कर रही पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने 47 गेंदों पर 76 रन बनाकर फिफ्टी लगाई। उनके अलावा, अराफात मिन्हास ने 8वें नंबर पर उतरकर नाबाद 34 रन बनाए। ईशान मलिंगा ने पाकिस्तान को शुरुआती झटका दिया। उन्होंने खतरनाक बल्लेबाज फखर जमां को तेज गेंदबाज के पहले ही ओवर की पहली गेंद पर शॉर्ट थर्ड पर कैच कराया। फखर जमां 12 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मलिंगा ने माज सदाकत को 3 गेंदों पर शून्य के स्कोर पर आउट किया। श्रीलंका के लिए शनाका के अलावा, ईशान मलिंगा और नुवान थुषारा ने 2-2 विकेट लिए। 169 रन का टारगेट चेज कर रही श्रीलंका के सिनेत जयवर्धने ने पावरप्ले में तेज गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 38 रन बनाए। श्रीलंका को लाहिरू उदारा के रूप में झटका लगा। वह मोहम्मद इमरान की पहली गेंद पर आउट हुए। इसके बाद कुसल मेंडिस ने कामिंदु मेंडिस के साथ मिलकर रनचेज को संभाला। दोनों ने 55 गेंदों पर 98 रन की मैच जिताऊ साझेदारी की। कामिंदु मेंडिस 27 गेंदों पर 40 रन बनाकर नाबाद रहे। कुसल मेंडिस ने अपनी पारी में 9 चौके और 4 छक्के लगाए। पाकिस्तान के मोहम्मद इमरान और अराफात मिन्हास ने एक-एक विकेट लिए।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए वनडे-टेस्ट स्क्वॉड जारी होने हैं, भारतीय टी-20 टीम घोषित

प्रसिद्ध, हर्षित, पंत की फिटनेस से अटका टीम सिलेक्शन



नई दिल्ली। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और ऋषभ पंत की फिटनेस के कारण न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट और वनडे टीम का सिलेक्शन अटका हुआ है।

TOI ने दावा किया है कि सिलेक्टर्स इन प्लेयर्स की फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। चयन समिति टीम घोषित करने में आखिरी समय तक इंतजार कर सकती है। दोनों टीमों को 28 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के लिए रवाना होना है।

वनडे सीरीज 4 नवंबर से शुरू होगी। दो टेस्ट की सीरीज 19 नवंबर से खेली जाएगी। बता दें 22 अक्टूबर से शुरू हो रहे दौरे के लिए भारतीय टी-20 टीम का ऐलान किया जा चुका है।

पिछले कुछ समय में CoE और सिलेक्शन कमेटी के समन्वय पर सवाल उठे थे। इसके बाद CeO प्रमुख VVS लक्ष्मण को सिलेक्शन मीटिंग में मौजूद रहने को कहा गया था। पिछले कुछ समय में CoE और सिलेक्शन कमेटी के समन्वय पर सवाल उठे थे। इसके बाद CeO प्रमुख VVS लक्ष्मण को सिलेक्शन मीटिंग में मौजूद रहने को कहा गया था। चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट हर्षित राणा को दोनों फॉर्मेट में शामिल करना चाहते हैं। उन्हें नंबर 8 पर बल्लेबाजी करने वाले तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर सही विकल्प माना जा रहा है।

प्रसिद्ध कृष्णा को टेस्ट और ODI, दोनों में तेज गेंदबाजी आक्रमण का प्रमुख सदस्य माना जा रहा है। वहीं, दो टेस्ट की सीरीज में ऋषभ पंत बल्लेबाजी की मुख्य कड़ी होंगे। प्रसिद्ध कृष्णा को 30 सितंबर को गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा ODI बीच में छोड़ना पड़ा था। उन्हें तीन हफ्ते का समय दिया गया।



फिटनेस की मंजूरी देने में सतर्क सीईओ

सूत्रों के मुताबिक, BCCI का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस रिहैब के बाद खिलाड़ियों को फिटनेस मंजूरी देने में CoE सावधानी बरत रहा है। पंत और प्रसिद्ध की चोट पहली नजर में गंभीर नहीं लगती।

सूत्र ने कहा, 'CoE कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। इसी वजह से दोनों खिलाड़ियों को वहां पहुंचने पर तीन-तीन हफ्ते का समय दिया गया।'

मनोरंजन



नीचे खड़ी वैन से कार टकराई ■ घटना का वीडियो आया सामने

इमरान हाशमी की फिल्म के सेट पर पलटी एसयूवी

नई दिल्ली। इमरान हाशमी की अपकमिंग फिल्म गनमास्टर G9 के सेट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा। इसमें हवा में पलटी SUV नीचे खड़ी वैन पर गिरती दिख रही है।

वीडियो में आउटडोर सेट पर एक कार स्टंट नजर आ रहा है। हालांकि मेकर्स ने अब तक नहीं बताया कि यह सब प्लान किया गया था या स्टंट के दौरान हादसा हो गया।

हादसे में अभी तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है। वीडियो में SUV के नीचे गिरते ही क्रू मेंबर्स और आसपास मौजूद लोग उसकी ओर भागते दिखते हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि जब क्रेन का मैकेनिज्म फेल हुआ और हवा में घूम रही SUV नीचे गिरी, तब इमरान हाशमी वहीं जमीन पर खड़े थे। वह गाड़ी उनके चेहरे से महज एक फीट (या कुछ इंच) की दूरी पर आकर नीचे खड़ी वैन से टकराई। हालांकि, वीडियो में इमरान हाशमी क्लियर नहीं दिख रहे हैं। न ही इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि हो पाई है कि वह वहां मौजूद थे।वीडियो में इमरान हाशमी के फिल्म गनमास्टर G9 के लुक जैसा एक शख्स नजर आ रहा है। हालांकि, दूर होने के कारण उसका चेहरा साफ नहीं दिख रहा। वीडियो में इमरान हाशमी के फिल्म गनमास्टर G9 के लुक जैसा एक शख्स नजर आ रहा है। हालांकि, दूर होने के कारण उसका चेहरा साफ नहीं दिख रहा। गौरतलब है कि इमरान हाशमी इन दिनों गनमास्टर G9 की शूटिंग कर रहे हैं। सेट से सामने आए इस वीडियो में सड़क पर स्टंट की तैयारी दिखाई गई है।





■ वीडियो में इमरान हाशमी के फिल्म गनमास्टर G9 के लुक जैसा एक शख्स नजर आ रहा है। हालांकि, दूर होने के कारण उसका चेहरा साफ नहीं दिख रहा।

फिल्म में ये कलाकार हैं

फिल्म गनमास्टर G9 में इमरान हाशमी ईश्वर का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में जेनेलिया डिसूजा आरती और अपारशक्ति खुराना देसू के रोल में हैं।

फिल्म की कहानी सरीम मोमिन और जुनैद वासी ने लिखी है। आदित्य दत्त इसके डारेक्टर हैं। गनमास्टर G9 में इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया फिर साथ आए हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे प्रेमी की है, जो अपनी पसंद की महिला के साथ रहने के लिए बेहद कदम उठाता है। इस दौरान उसका सामना एक खतरनाक दुश्मन से होता है। दीपक मुकुट, हुनर मुकुट और संगीता अहीर फिल्म के निर्माता हैं। ये सभी सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट के बैनर के तहत फिल्म बना रहे हैं।

अनीत पड्डा ने अहान पांडे के साथ सेलिब्रेट किया बर्थडे

नई दिल्ली। फिल्म 'सैयारा' फेम अनीत पड्डा ने मंगलवार को अपना 24वां जन्मदिन मनाया। पार्टी में उनके को-स्टार अहान पांडे, उनकी मां डियान पांडे और आलिया भट्ट शामिल हुईं। मंगलवार को 'सैयारा' के को-एक्टर आलम खान ने पार्टी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। हालांकि, आलम ने बाद में पोस्ट डिलीट कर दी, लेकिन फैन्स ने तस्वीरें सेव कर लीं और उन्हें ऑनलाइन शेयर की। पार्टी में घर को गुलाबी और हरे गुब्बारों से सजाया गया था।

अनीत ने छोटी पीली बॉडीकॉन ड्रेस पहनी थी। वहीं, अहान शिमरी काली शर्ट और काली जींस में नजर आए।

पार्टी की तस्वीरें सामने आने से पहले अहान पांडे ने अनीत को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थीं। उन्होंने लिखा, "तुम ब्रह्मांड का तोहफा हो, अनीत। तुम जिस चीज को छूती हो, वह तारों की धूल में बदल जाती है। मेरी कामना है कि ब्रह्मांड हमेशा तुम्हारे साथ उतना ही नरम रहे, जितनी तुम उसके साथ रहती हो। यह कभी मत भूलना कि तुम अपने पीछे कितनी रोशनी छोड़ जाती हो। तुम्हें बहुत-बहुत जन्मदिन की शुभकामनाएं।"



अनीत ने अहान के बर्थडे विश का जवाब देते हुए लिखा, "तुम पूरी दुनिया के सबसे अच्छे इंसान हो। थैंक यू, मेरे अहान।"

गौरतलब है कि 'सैयारा' रिलीज होने के बाद से अनीत और अहान को कई मौकों पर साथ देखा गया है।

अनीत को अहान के परिवार के साथ भी देखा गया है। हाल ही में उन्होंने मुंबई में अहान की बहन अलाना पांडे के बेबी शॉवर में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने अहान की कजिन अनन्या पांडे के साथ एक मजेदार गेम में भी हिस्सा लिया था। 'सैयारा' अहान पांडे की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म थी। इस फिल्म से अनीत को पहचान मिली।

घटना के बाद माही विज चिल्लाईं, प्रोमो में नकुल को घर से बाहर जाने के संकेत

'बिग बॉस' में नकुल ढुल गुल्लू के बीच हाथापाई

काजी तौकीर की टिप्पणी से शुरू हुआ विवाद

नई दिल्ली। टीवी शो बिग बॉस 20 के घर में दो कंटेस्टेंट्स नकुल ढुल और गुल्लू के बीच बहस के दौरान हाथापाई हो गई। माही विज इस दौरान चिल्लाती नजर आईं। यह विवाद काजी तौकीर की कथित टिप्पणियों से शुरू हुआ था।

वहीं, आज के एपिसोड के प्रोमो में नकुल को घर से बाहर भेजने के संकेत मिले। प्रोमो में कहा गया, "आज घर में एक अप्रिय वाकया हुआ। घर के सबसे अहम नियम का उल्लंघन हुआ।" हालांकि, मेकर्स ने अब तक नकुल को घर से बाहर निकालने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की थी।

नकुल और गुल्लू के बीच झगड़े के दौरान घरवाले दोनों को अलग करते हुए। वहीं, काजी तौकीर बैठे नजर आए।गुल्लू ने नकुल से पूछा कि वह मामला क्यों बढ़ा रहे हैं। इसके बाद दोनों के बीच बहस तेज हो गई।



दोनों के आमने-सामने बहस करते रहने के दौरान नकुल ने गुल्लू को धक्का दिया। बाकी घरवाले तुरंत वहां पहुंचे और दोनों को अलग करने की कोशिश की। झगड़े के दौरान नकुल ने यह भी कहा कि उसके भाई पहले गुल्लू से सामना करने के लिए गुरुग्राम गए थे। नकुल ने दावा किया कि गुल्लू तब भागकर गोवा चला गया था।

नकुल को ऑनलाइन मिट्ठू डॉन के नाम से भी जाना जाता है। वह टेलीविजन एक्टर मनीष गोयल के साथ बिग बॉस 20 में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल हुए हैं। मामला तब शुरू हुआ, जब नकुल ने स्काउट OP से काजी की कथित टिप्पणियों के बारे में बात की। नकुल ने कहा कि काजी, स्काउट के कान में थूकने वाली घटना के बारे में बात कर रहे थे।

भारत में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे [redacted]

सीजेपी को अमेरिका से फंडिंग मिल रही : हॉलीवुड सिंगर

आरोप

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

हॉलीवुड सिंगर मैरी मिलबेन ने कॉकरोच जनता पार्टी पर अमेरिका से फंडिंग मिलने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि PM नरेंद्र मोदी के विरोधी अमेरिकी डोनर्स अभिजीत दीपके को पैसा भेज रहे हैं।

उनके मुताबिक इस पैसे का इस्तेमाल भारत में अशांति फैलाने और सरकार के काम में रुकावट डालने के लिए किया जा रहा है। मिलबेन ने X पर पोस्ट कर भारत के युवाओं से आवाज उठाने की अपील की। उन्होंने लिखा, 'यह



चुप रहने का समय नहीं है।' मिलबेन ने फरवरी 2021 में किसान आंदोलन के दौरान मोदी सरकार के कृषि कानूनों का समर्थन करते हुए कहा था कि उन्हें किसानों की जिंदगी बेहतर बनाने के मोदी के विजन पर भरोसा है।

अगस्त 2023 में मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर भी उन्होंने मोदी का समर्थन किया था। उन्होंने उस समय कहा था कि भारत को अपने नेता पर भरोसा है और मोदी मणिपुर के लोगों की आजादी के लिए लड़ेंगे।

The Modi Question' की आलोचना करते हुए मोदी सरकार का समर्थन किया था। 2023 में आई इस डॉक्यूमेंट्री में 2002 के गुजरात दंगों के दौरान नरेंद्र मोदी की भूमिका पर सवाल उठाए गए थे।

मार्च 2024 में नागरिकता संशोधन कानून (CAA) लागू होने पर भी मिलबेन ने मोदी सरकार के फैसले की तारीफ की थी। लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने भारतीय मतदाताओं से मोदी को वोट देने की अपील भी की थी।

दीपके ने कहा था-

मोदी समर्थकों से एकजुट होने की अपील



मैरी मिलबेन ने जून 2023 में PM मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान भारत का राष्ट्रगान गाया था। इस दौरान उन्होंने मोदी के पैर भी छुए थे, जिसके बाद भारत में उनकी काफी चर्चा हुई।

भारत में भी सीजेपी फंडिंग पर उठे थे सवाल

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने दीपके की अमेरिका में पढ़ाई के खर्च पर सवाल उठाते हुए पूछा था कि क्या इसके पीछे अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस से जुड़ा कोई फाउंडेशन था।

वहीं, बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी विपक्ष और CJP पर विदेशी मदद से देश में अस्थिरता फैलाने की कोशिश का आरोप लगाया था।

इसके अलावा, अगस्त 2026 में RTI कार्यकर्ता अमित तिवारी ने दीपके की पढ़ाई के खर्च और CJP के कानूनी सहायता फंड की जांच की मांग की थी।

मिलबेन बोलीं- पीएम मोदी बाहरी ताकतों के आगे नहीं झुकेंगे

मिलबेन ने दावा किया कि कुछ US डोनर्स दुनियाभर के परंपरावादी नेताओं को निशाना बनाने का एक तय तरीका अपनाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, 'वे उस देश से अमेरिका में पढ़े किसी व्यक्ति को ढूंढते हैं, उसे कट्टर बनाते हैं, वापस देश भेजते हैं और अराजकता व तबाही फैलाने के लिए फंड करते हैं।' मिलबेन ने प्रधानमंत्री मोदी के राजनीतिक सफर का बचाव करते हुए कहा कि वह 25 साल से सरकार में रहकर लोगों की सेवा कर रहे हैं और 12 साल से प्रधानमंत्री हैं। वह अमेरिका से आने वाली उन ताकतों के आगे नहीं झुकेंगे।

CJP का खर्च दोस्त मिलकर उठाते हैं

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके विदेशी फंडिंग के आरोपों को खारिज कर चुके हैं। CJP के आंदोलनों के खर्च पर दीपके ने कहा था कि वह और उनके दोस्त मिलकर पैसा जुटाते हैं।

विदेशी फंडिंग के आरोपों पर दीपके ने गृह मंत्री अमित शाह से भी सवाल किया था। उनका कहना था कि अगर आंदोलन में विदेशी पैसा आया है, तो इसकी जांच और रोकथाम की जिम्मेदारी गृह मंत्रालय की है।



6 जून 2026 को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान CJP के नेता अभिजीत दीपके।

10 अक्टूबर को हुए दिल्ली प्रदर्शन पर हार्वर्ड के दो बयान

दिल्ली में 10 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई पर हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्रों के दो समूहों ने अलग-अलग बयान जारी किए।

पहले समूह ने पुलिस पर प्रदर्शनकारियों के साथ बर्बरता, गैरकानूनी हिरासत और संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया। 12 अक्टूबर को जारी इस बयान पर 100 पूर्व छात्रों ने हस्ताक्षर किए थे।

वहीं, बुधवार को जारी दूसरे बयान पर 44 लोगों के हस्ताक्षर हैं। खुद को 'हार्वर्ड कम्युनिटी' बताने वाले इस समूह ने भारत की संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ कथित अभियान पर चिंता जताई।

फास्ट न्यूज

थाईलैंड की नई सियासी पहचान

बैंकॉक। थाईलैंड की राजनीति में जहां महंगी और ब्रांडेड घड़ियों का शौक पुराना रहा है, वहीं इन दिनों एक अनोखा ट्रेंड चर्चा में है। यहां प्रधानमंत्री की तरफ उपहार में दी जाने वाली करीब 60 डॉलर यानी 5600 रुपये से भी कम कीमत की 'कैसियो' घड़ी राजनेताओं और मंत्रियों के बीच सत्ता की नजदीकी का सबसे बड़ा प्रतीक बन गई है। इस घड़ी की नई पहचान के मामले को ऐसे मसझिए कि रेट्रो-फ्यूचरिस्टिक डिजाइन वाली इस डिजिटल घड़ी मॉडल Casio AE1200WH पर थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल का नाम खुदा हुआ है।

फेसबुक पर टिप्पणी करने वाले श्रीलंकाई नागरिक की मौत की सजा रद

रियाद। सऊदी अरब की सुप्रीम कोर्ट ने फेसबुक के किसी पोस्ट पर टिप्पणी करने के लिए एक प्रवासी कर्मचारी को सुनाई गई मौत की सजा को रद्द कर दिया है। ये जानकारी कोलंबों के उप-विदेश मंत्री अरुण हेमाचंद्र ने दी है। मामला सऊदी अरब की अपील कोर्ट का है, जहां पर 27 साल के अनोझन शिवरासा को मौत की सजा सुनाई गई थी। कोर्ट ने सितंबर में उन्हें अपनी टिप्पणी में इस्लाम और पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ ईशनिंदा का दोषी ठहराया था। इस मामले के सामने आते ही श्रीलंका में हलचल मच गई। इसके साथ ही वहां सजा के खिलाफ माफी की कोशिश तेज हो गई।

एक दशक के लंबे इंतजार के बाद खुलेगा चीन-उत्तर कोरिया को जोड़ने वाला नया पुल

बीजिंग। चीन और उत्तर कोरिया को आपस में जोड़ने वाला नया 'यालू नदी पुल' एक दशक से अधिक समय की देरी के बाद कल यानी गुरुवार को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। दोनों देशों के बीच मजबूत होते रणनीतिक और आर्थिक संबंधों के बीच चीनी शहर डांडोंग को उत्तर कोरिया के सिनुइजू शहर से जोड़ने वाले इस पुल की लंबाई 3 किलोमीटर है।

10 ग्राम की कीमत तीन दिन में 3 हजार कम हुई

नई दिल्ली, एजेंसी



सोना की कीमतों में आज यानी 14 अक्टूबर को लगातार तीसरे दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,272 रुपए गिरकर 1.46 लाख विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

अमेरिका के केंद्रीय बैंक 'फेडरल रिजर्व' ने 3 साल में पहली बार ब्याज दरें बढ़ाई है। इससे सोने के दाम में गिरावट है।

अमेरिका-ईरान जंग और आर्थिक अनिश्चितता के कारण सोने को सपोर्ट मिल सकता है निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश के रूप में फिर चुन सकते हैं। निवेशकों को सतर्क रहना चाहिए क्योंकि बाजार में अब भी कमजोरी के संकेत दिख रहे हैं। किसी भी बड़ी गिरावट पर खरीदारी का मौका भी बन सकता है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

टीवी के पीछे रिकॉर्डर लगाया था, एआई की मदद से सऊदी नागरिक की पहचान

आपन एआई ऑफिस में जासूसी की कोशिश करने वाला गिरफ्तार

35 साल के अलफोजान अमेरिका में स्थायी रूप से रहने की अनुमति रखता है। वह जुलाई 2025 में ओपन एआई से जुड़ा था।

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी

अमेरिकी कंपनी OpenAI के सैन फ्रांसिस्को ऑफिस में जासूसी की कोशिश करने वाले कर्मचारी को FBI ने गिरफ्तार कर लिया है। कर्मचारी ने कॉन्फ्रेंस रूम में टीवी के पीछे रिकॉर्डिंग डिवाइस छिपा दिया था। डिवाइस मिलने के बाद OpenAI ने AI मॉडल के जरिए आरोपी को पकड़ा। इसके बाद उसे 9 अक्टूबर को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान सऊदी नागरिक अब्दुलरहमान अलफोजान के रूप में हुई है। कंपनी के मुताबिक अलफोजान ने 28 सितंबर को USB पोर्ट में रिकॉर्डर लगाया था। इसे छिपाने के लिए टॉयलेट पेपर का इस्तेमाल किया गया था।

2 दिन बाद कर्मचारियों को सुरक्षा



जांच के दौरान यह डिवाइस मिला था। डिवाइस में माइक्रोफोन, कैमरा सेंसर और डेटा स्टोर करने के लिए माइक्रो SD कार्ड था। डिवाइस में रिकॉर्डिंग इन्क्रिप्टेड थी, इसलिए उसे सुना नहीं जा सका है। अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, दोष साबित होने पर उन्हें 5 साल तक की जेल, 2.5 लाख डॉलर (करीब 2.3 करोड़ रुपए) तक का जुर्माना और तीन साल तक निगरानी में रहने की सजा हो सकती है। OpenAI ने कहा कि फिलहाल उसे ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे पता चले कि अलफोजान ने कंपनी के AI मॉडल के मूल डेटा, सोर्स कोड या ग्राहकों की जानकारी तक गलत तरीके से पहुंच बनाई या उसे बाहर भेजा। कंपनी ने घटना के बाद उन्हें नौकरी से निकाल दिया।

एआई चैटबॉट से डिवाइस बनाने में मदद ली

FBI अधिकारियों का आरोप है कि अलफोजान ने डिवाइस लगाने की तैयारी पहले से कर रखी थी। उसने कंपनी के मीटिंग रूम, अधिकारियों के आने-जाने के समय और दूसरी कंपनियों के साथ होने वाली बैठकों की जानकारी जुटाई थी।

उसने अपनी पत्नी के AI चैटबॉट अकाउंट पर कई सवाल पूछे थे। इनमें डिवाइस कैसे बनाना है, उसे कहां और कैसे लगाना है, उससे आवाज रिकॉर्ड हो रही है या नहीं, उसे कैसे छिपाना है और दूर से उसका इस्तेमाल कैसे करना है, जैसे सवाल शामिल थे। जिस मीटिंग रूम में यह डिवाइस लगाया गया था, वहां OpenAI के अधिकारी कंपनी से जुड़े अहम मामलों पर चर्चा करते थे।



जांच में टीवी के पीछे USB पोर्ट में लगा डिवाइस मिला।

अलफोजान वेंचर कैपिटल फर्म राएद वेंचर्स में भी वेंचर पार्टनर हैं। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक, OpenAI में वे इंजीनियरिंग लीड था और AI एजेंट्स और डेटा प्लेटफॉर्म पर काम करता था। इससे पहले अलफोजान मेटा, माइक्रोसॉफ्ट और जर्मनी की एक सॉफ्टवेयर कंपनी SAP में भी काम कर चुका है। उसने MIT से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है।

अमेरिका के जरिए नेतन्याहू ने मदद का मैसेज भेजा, सऊदी ने इनकार किया

इजराइल हूती विद्रोहियों के खिलाफ क्यों लड़ना चाहता है

तेल अवीव/ रियाद, एजेंसी

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सऊदी अरब से हूतियों के खिलाफ लड़ाई में इजराइल को शामिल करने की इजाजत मांगी है।

इजराइली अखबार हारेत्ज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू ने यह प्रस्ताव अमेरिका के जरिए सऊदी अरब को भेजा है।

हालांकि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने इसका विरोध किया है। उन्हें डर है कि इजराइली सेना के इसमें शामिल होने से सऊदी अरब की नाराज हो सकती है।

हारेत्ज के मुताबिक इजराइल के हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ने में दिलचस्पी होने की 3



अहम वजहें हैं।

सऊदी लंबे समय से हूतियों को सुरक्षा चुनौती मानता है। इजराइल सऊदी की मदद कर क्षेत्र की एक बड़ी अरब शक्ति के साथ सैन्य तालमेल भी बढ़ा सकता है। हालांकि, इसके खतरे भी हैं।

सऊदी अरब से जुड़े सैन्य अभियानों में इजराइली सेना की भागीदारी पर देश के अंदर और पूरे अरब जगत में विरोध हो सकता है। ईरान का विरोध करने के बावजूद सऊदी अरब और इजराइल के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं। ट्रम्प कई बार सऊदी अरब से इजराइल के साथ दोस्ती करने की अपील कर चुके हैं। इसके लिए



ईरान को कमजोर करना

ईरान और हूती विद्रोहियों के बीच लंबे समय से संबंध हैं। सऊदी अरब और अमेरिका आरोप लगाते रहे हैं कि ईरान हूतियों को हथियार, ट्रेनिंग और तकनीकी मदद देता है। इससे हूती ड्रोन और मिसाइलों से हमले करने में सक्षम हुए हैं। इसी वजह से हूती इजराइल और मिडिल ईस्ट कई देशों के लिए बड़ा सुरक्षा खतरा बन चुके हैं। हूतियों ने लाल सागर और बाब अल-मंदेब के आसपास जहाजों पर हमले किए हैं। उन्होंने ईरान के साथ जारी तनाव के बीच इजराइल को भी निशाना बनाया है। इसलिए इजराइल इस सैन्य अभियान में शामिल होकर हूतियों को कमजोर करना चाहता है।

सऊदी अरब यमन में सक्रिय हूती विद्रोहियों के खिलाफ जंग लड़ रहा है। इजराइल को उम्मीद है कि सऊदी अरब की मदद करने से दोनों के संबंध मजबूत होंगे। इससे आगे चलकर दोनों के बीच राजनयिक संबंध बनाने का मौका भी बन सकता है।

अमेरिका ने अब्राहम समझौते का रास्ता भी सुझाया है।

2020 में इस समझौते के तहत UAE और बहरीन समेत कई अरब देशों ने इजराइल के साथ अपने संबंध सामान्य किए थे। हालांकि सऊदी अरब का कहना है कि वह इजराइल से रिश्ते तभी ठीक करेगा, जब फिलिस्तीन मुद्दे का सामाधान होगा।

ओपन एआई के दफ्तर में जासूसी करने वाला सऊदी इंजीनियर बर्खास्त

वाशिंगटन, एजेंसी

AI की दुनिया की दिग्गज कंपनी OpenAI के एक कार्यालय से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। कंपनी के सैन फ्रांसिस्को स्थित ऑफिस के एक कॉन्फ्रेंस रूम में सीक्रेट रिकॉर्डिंग डिवाइस मिलने के बाद हड़कंप मच गया है। इस मामले में फेडरल अधिकारियों ने 35 वर्षीय सऊदी नागरिक और OpenAI के इंजीनियरिंग लीड अब्दुल रहमान अलफोजान को गिरफ्तार किया है। FBI की रिपोर्ट के मुताबिक, 30 सितंबर को Open AI की तकनीकी निगरानी टीम ने एक कॉन्फ्रेंस रूम में टेलीविजन के पीछे यूएसबी पोर्ट से जुड़ा हुआ एक छिपा हुआ ऑडियो-रिकॉर्डिंग डिवाइस खोज निकाला। यह डिवाइस इस तरह छिपाया गया था कि आसानी से नजर न आए और इसमें एडवांस एन्क्रिप्शन, ऑडियो-मॉनिटरिंग और डेटा ट्रांसफर करने की क्षमता थी। इस बात की जानकारी Open AI ने बयान जारी



कर एक्स पर दी। जारी एक बयान में बताया गया कि कंपनी ने इस डिवाइस का पता लगाने और यह किसने लगाया है, यह जानने के लिए अपने खुद के एआई मॉडल्स का इस्तेमाल किया। जांच में सामने आया कि इस डिवाइस को कुछ दिन पहले ही एक कर्मचारी ने वहां प्लांट किया था। इसके साथ ही OpenAI ने स्पष्ट किया है कि आरोपी कर्मचारी को तुरंत नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। कंपनी ने राहत की सांस लेते हुए कहा कि शुरुआती जांच में ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि इस व्यक्ति ने मॉडल वेट्स, सोर्स कोड या किसी ग्राहक के डेटा तक अवैध रूप से पहुंच बनाई हो या कोई डेटा लीक किया हो।

नुकसान : रिश्ते सुधारने का मौका गंवाया, भारत ने न्यौता दिया था लेकिन पीएम रहमान नहीं आए

ब्रिक्स समिट छोड़ने से बांग्लादेश को नुकसान : शेख हसीना

ढाका/नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने कहा कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान के BRICS समिट में शामिल न होने से बांग्लादेश को नुकसान हुआ।

हसीना ने PTI को दिए इंटरव्यू में बुधवार को कहा कि रहमान के फैसले के चलते बांग्लादेश ने भारत के साथ रिश्ते सुधारने का मौका भी गंवा दिया।

12-13 सितंबर को नई दिल्ली में BRICS समिट हुई थी। भारत ने रहमान को समिट में आने का न्योता दिया था, लेकिन वे नहीं पहुंचे थे।

हसीना ने कहा कि अगर उनके भारत में रहने की वजह से तारिक



रहमान भारत नहीं आए, तो यह दुख की बात है। दो देशों के रिश्ते किसी एक व्यक्ति या राजनीतिक मतभेदों के आधार पर तय नहीं होने चाहिए। इसके बाद 3 नवंबर को ढाका की सेंट्रल जेल में चार बड़े नेताओं की भी हत्या हुई।

हसीना ने जियाउर रहमान पर गलत तरीके से सत्ता में आने का आरोप लगाया। हसीना ने दावा किया कि बांग्लादेश इस समय बड़े संकट से गुजर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र कमजोर हुआ है और विरोधी दलों को अपनी बात रखने के मौके नहीं मिल रहे हैं। हसीना ने बांग्लादेश लौटने की कोई तारीख नहीं बताई। लेकिन उन्होंने कहा कि वह देश लौटकर लोकतंत्र बहाल करने की लड़ाई में शामिल होना चाहती हैं।



हसीना बोलीं- बातचीत के रास्ते खोलना सरकार की जिम्मेदारी

हसीना ने कहा कि BRICS सिर्फ नेताओं की बैठक नहीं है। इसमें दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं शामिल होती हैं। समिट में शामिल होकर बांग्लादेश दूसरे देशों से सीख सकता था। लेकिन सरकार ने यह मौका गंवा दिया। उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार सरकार को देश के लिए दूसरे देशों से बातचीत और आगे बढ़ने के नए रास्ते खोलने चाहिए, न कि उन्हें बंद करना चाहिए।

रहमान के पिता के भारत दौरे का जिक्र किया

हसीना ने 1979 में बांग्लादेश के तत्कालीन राष्ट्रपति और तारिक रहमान के पिता जियाउर रहमान के भारत दौरे का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस समय वह दिल्ली में रह रही थीं।

हसीना के मुताबिक, 1980 में जब जियाउर रहमान लंदन गए, तब भी वह वहीं थीं। इसके बावजूद उनकी मौजूदगी ने जियाउर रहमान के दौरे में कोई रुकावट नहीं डाली। हसीना ने कहा कि 15 अगस्त 1975 को उनके पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान समेत परिवार के कई सदस्यों की हत्या कर दी गई थी।

थोक महंगाई 5 महीने में सबसे ज्यादा खाने-पीने की चीजें महंगी होने का असर

नई दिल्ली, एजेंसी

थोक महंगाई सितंबर में बढ़कर 11.39% पहुंच गई है। सरकार ने आज, 14 अक्टूबर को ये आंकड़े जारी किए। यह पांच महीने में सबसे ज्यादा है। अगस्त में यह 9.92% थी। थोक महंगाई बढ़ने की वजह खाने-पीने की चीजें, फ्यूल, पावर और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स का महंगा होना है। सितंबर में रिटेल महंगाई भी बढ़कर 5.54% पर पहुंच गई है। अगस्त में यह 4.82% थी।

थोक महंगाई दर 11.39% होने का मतलब यह है कि जो सामान पिछले साल इस समय थोक बाजार में 100 का मिल रहा था, वह आज लगभग 111.39 का है।

ये आंकड़े नए बेस ईयर के मुताबिक हैं। सरकार ने 15 जून 2026 को WPI का नया बेस ईयर 2022-23 लागू किया था। इसने पुरानी 2011-12 की सीरीज की जगह ली है।

कुल थोक महंगाई में बड़ी बढ़तः सितंबर महीने में थोक महंगाई दर



बढ़कर 11.39% पर पहुंच गई, जो कि अगस्त में 9.92% दर्ज की गई थी। खाने-पीने की चीजों में तेजीः खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अगस्त के 7.05% के आंकड़े से उछलकर सितंबर में 8.66% दर्ज हुई।

ईंधन व बिजली क्षेत्र में उछालः फ्यूल और पावर सेक्टर में महंगाई दर अगस्त के 22.93% से तेजी से बढ़कर 25.85% पर पहुंच गई।

कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरीः प्राइमरी आर्टिकल्स (कच्चा सामान) की महंगाई दर अगस्त के 7.76% से बढ़कर सितंबर में 8.67% हो गई।

कारखानों के निर्मित सामान महंगेः मैन्युफैक्चर्ड प्रॉडक्ट्स की महंगाई दर अगस्त के 8.37% से बढ़कर 9.76% हो गई।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676